RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-39 ❖ मुंबई ❖ रविवार 19 से 25 सितंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
86.64 फीसदी मुंबई वालों में बनीं कोरोना की एंटीबॉडी, जानें क्या कहता है सीरो सर्वे

पेज 5
यूपी-बोर्ड की 10वीं और 12वीं की इंप्रूवमेंट परीक्षाएं शुरू, कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से हो रहा पालन

पेज 7
शिल्पा शेट्टी के बयान पर शर्लिन चोपड़ा की प्रतिक्रिया, दीदी येड़ा बनकर पेड़ा खा रही हैं

पेज 8
अनिल देशमुख के घर इनकम टैक्स रेड! पहले भी हुई है छापेमारी

शिवसेना-बीजेपी के रूठे रिश्तों में सुरूर!

CM उद्धव के BJP के मंत्री को 'भावी साथी' बताने पर अटकलें तेज

बीजेपी नेता रावसाहेब दानवे को भावी सहयोगी कहे जाने के उद्धव के बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल हो गई है। कुछ लोग इसे शिवसेना और बीजेपी के फिर एक साथ आने का संकेत मानने लगे हैं।

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की एक बात से शुक्रवार को शिवसेना-बीजेपी के रूठे रिश्तों में एक बार फिर हल्का-हल्का सुरूर छा गया। मौका था मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम के स्मृतिदिन का। मंच पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के अलावा बीजेपी के केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे भी बैठे थे। जब मुख्यमंत्री बोलने के लिए खड़े हुए, तो उन्होंने मंच पर बैठे रावसाहेब दानवे को 'मेरे भावी सहयोगी' कहकर संबोधित किया। बीजेपी नेता रावसाहेब दानवे को भावी सहयोगी कहे जाने के उद्धव के बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल हो गई है। कुछ लोग इसे शिवसेना और बीजेपी के फिर एक साथ आने का संकेत मानने लगे हैं।

'कुछ भी संभव'

उद्धव के इस बयान पर बीजेपी के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'राजनीति में कभी भी कुछ भी संभव है। मुख्यमंत्री को लगा होगा कि अनैसर्गिक गठबंधन की सरकार अब ज्यादा दिन नहीं टिक सकती, इसलिए उन्होंने मन की बात कही।'

'जोक की आदत'

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, 'मुख्यमंत्री को ऐसे जोक करने की आदत है। बीजेपी इन दिनों तनाव में है, इसलिए बीजेपी के समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने ऐसा बोल दिया होगा।'

'हो सकता है...'

एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने कहा, 'हो सकता है कि चंद्रकांत पाटील और रावसाहेब दानवे बीजेपी छोड़कर शिवसेना में प्रवेश करने वाले हो! इसीलिए मुख्यमंत्री ने उन्हें भावी सहयोगी कहा हो।'

'दबाव की चाहत'

महाराष्ट्र विधान परिषद में नेता विपक्ष प्रवीण दरेकर ने कहा, 'एनसीपी-कांग्रेस का शिवसेना पर जबरदस्त दबाव है। इसलिए बीजेपी का दरवाजा शिवसेना के लिए खुला है, यह जताकर उद्धव अपने सभी सहयोगियों पर दबाव बनाना चाहते हैं।'

हम किसी की पीठ में छुरा नहीं घोंपते : संजय राउत

मुंबई, भाजपा और शिवसेना के संभावित गठबंधन को लेकर शिवसेना सांसद संजय राउत ने सफाई देते हुए कहा, "महाराष्ट्र सरकार 5 साल तक सत्ता में रहने के लिए प्रतिबद्ध है। शिवसेना अपने वादों पर काम करती है। अगर किसी को सीएम (भविष्य के मित्र) की टिप्पणी पर खुशी हो रही है, तो इसे 3 साल के लिए रहने दें। शिवसेना किसी की पीठ में छुरा नहीं घोंपती।" बता दें कि शुक्रवार को औरंगाबाद में सीएम उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय रेल राज्यमंत्री राव साहब दानवे पाटिल की मौजूदगी में अपने भाषण की शुरुआत 'मंच पर मौजूद मेरे पुराने साथी, वर्तमान साथी व फिर से साथ आ गए तो भविष्य के सहयोगी' कहते हुए की थी। सीएम उद्धव ठाकरे के इस बयान ने भाजपा और शिवसेना की मित्रता को एक बार फिर से हवा दे दी है। इस बयान के बाद से ही शिवसेना-भाजपा ही नहीं कांग्रेस-राकांपा की तरफ से भी बयानबाजी होने शुरू हो गई है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस ने इस बयान पर ये कहते हुए मुहर लगा दी की राजनीति में कुछ भी हो सकता है। सीएम ठाकरे ने तो मेरे मन की बात कह दी, सुनकर अच्छा लगा। फड़नवीस ने कहा राज्य में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को देखते हुए लगता है सीएम को लगने लगा है कि हमें किन लोगों के साथ सरकार चलानी पड़ रही है।

गणेशोत्सव में हो रही भीड़ को देखकर पुलिस अलर्ट

विसर्जन के लिए BMC तैयार, 25 हजार कर्मचारी-अधिकारी रहेंगे तैनात

मुंबई, हाल ही में देशभर में आतंकवादियों के पकड़े जाने के बाद मुंबई में अलर्ट जारी किया गया। इस दौरान मुंबई के संवेदनशील इलाके जैसे भूलेश्वर मार्केट, जवेरी बाजार, आत्माराम मर्चेंट रोड, कालबादेवी रोड में पुलिस की कार्रवाई का असर देखा जा रहा है। खासतौर से गणेशोत्सव और त्योहार वाले दिनों में इन इलाकों में बेतहाशा भीड़ देखी जाती है। भीड़ का फायदा उठाकर कई बार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है। इस स्थिति से बचने के लिए अब पुलिस ने ऐक्शन शुरू कर दिया है। हालांकि, बीएमसी सुस्त दिखाई दे रही है। पुलिस को चाहिए बीएमसी का साथ लोकमान्य तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन द्वारा पूर्व में कई बार भूलेश्वर और आसपास के इलाकों में अवैध हॉकर्स पर कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखे गए थे।

पिछले महीने 25 अगस्त को लिखे गए पत्र का जवाब नहीं मिलने के बाद 2 सितंबर को दोबारा अपील की गई। बहरहाल, बीएमसी की ओर से कार्रवाई नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि अवैध हॉकर्स पर ज्यादा से ज्यादा पुलिस पेनल्टी लगा सकती है लेकिन उनका सामान इत्यादि जब्त करने का अधिकार बीएमसी के पास है। वॉर्ड के हॉकर्स का क्या स्टेटस है, किसको कितने क्षेत्र में बैठना है उसे बीएमसी ही पता लगा सकती है।

अवैध हॉकर्स से बेस्ट भी परेशान पिछले सप्ताह दादर स्टेशन के बाहर हॉकर्स की बेतहाशा भीड़ के बाद बेस्ट ने अपनी कुछ बसों की सेवाएं बंद कर दी थीं। इसमें बेस्ट ने बताया था कि हॉकर्स के कारण बसें चलाना मुश्किल हो गया है। इसके कारण रूट A118 की सेवाओं को रद्द कर दिया गया। बेस्ट की ओर से ट्वीट होने के बाद बीएमसी और पुलिस हरकत में आई और दादर में ऐक्शन होने के बाद बसों को फिर से बहाल किया गया।

आईटी सर्वे में बड़ा आरोप, सोनू सूद ने बेहिसाब पैसे जमा कर, अब तक की 20 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी

नई दिल्ली, बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद के घर सहित 6 ठिकानों पर चले आयकर विभाग का सर्वे के अब बड़ा खुलासा हुआ है। इनकम टैक्स के अधिकारियों की टीम ने 15 सितंबर को एक्टर के मुंबई स्थित घर और ऑफिस में टैक्स से जुड़ा सर्वे किया था। विभाग को टैक्स चोरी के आरोप में सोनू सूद के खिलाफ बड़ी लीड मिली थी, जिसेक बाद सोनू सूद की कंपनी के खिलाफ सर्वे शुरू किया गया। अब केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) से मिली जानकारी के मुताबिक विभाग अभिनेता सोनू सूद पर इनकम टैक्स के छापों के बाद अब तक सामने आए टैक्स चोरी की कुल राशि 20 करोड़ रुपये से ज्यादा है। SUV खरीदने का आपके लिए बेहतरीन मौका यहां क्लिक करें 28 परिसरों पर की गई लगातार छापेमारी मुंबई में एक्टर के कई परिसरों में और इंफ्राटक्चर डेवलपमेंट में लगे लखनऊ स्थित औद्योगिक समूह में सर्च और सीज ऑपरेशन चलाया है। सीबीडीटी के मुताबिक जिसमें मुंबई, लखनऊ, कानपुर, जयपुर, दिल्ली, गुरुग्राम समेत कुल 28 परिसरों पर लगातार छापेमारी की गई। एक्टर और उनके सहयोगियों के परिसरों की तलाशी के दौरान टैक्स चोरी से संबंधित आपत्तिजनक सबूत मिले है। टैक्स चोरी से संबंधित आपत्तिजनक सबूत मिले सोनू सूद की ओर से अपनाई जाने वाली मुख्य कार्यप्रणाली कई फर्जी संस्थाओं से फर्जी असुरक्षित लोन के रूप में अपनी बेहिसाब आय को रूट करना था, जिसमें अब तक टैक्स चोरी की कुल राशि 20 करोड़ रुपये से ज्यादा सामने आई है। कोरोना काल में की दिल खोलकर मदद आपको बता दें कि सोनू सूद उस वक्त चर्चाओं में आए थे, जब उन्होंने कोरोना की पहली लहर के दौरान लोगों को उनके घर तक पहुंचाने में मदद की थी। उन्होंने देश और विदेशों में फंसे भारतीयों को उनको घर सुरक्षित पहुंचाकर जमकर वाहवाही लूटी थी। वहीं एक बार फिर कोरोना की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन और दवाओं से लेकर अस्पताल में कोविड बेड तक के लिए सोनू सूद ने मरीजों की मदद की थी, जिसके बाद वो लगातार सोशल मीडिया पर छाए हुए थे।

मुम्बईः एटीएस ने एक संदिग्ध आतंकी को किया गिरफ्तार

मुंबई आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की एक संयुक्त टीम ने कथित रूप से आतंकवादियों से संपर्क रखने के मामले में एक व्यक्ति को मुंबई उपनगर के जोगेश्वरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान जाकिर शेख के रूप में हुई है, जिसने गिरफ्तार आतंकवादी जान मोहम्मद शेख को आतंकी गतिविधियों में मदद की थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जाकिर जान मोहम्मद को देश भर में हथियार पहुंचाने का निर्देश देता था और वह भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहा था। जान मोहम्मद शेख उन 6 आतंकवादियों में से एक है जिन्हें दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल की टीम ने 14 सितम्बर को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया था। क्या है मामला गौरतलब हैं कि दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में छापेमारी की गई थी। ओसामा और कमर सहित गिरफ्तार किए गए सभी 6 आरोपियों को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया और आगे की पूछताछ के लिए उन्हें 14 दिनों के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस ने कहा था कि पूछताछ से पता चला है कि पाकिस्तान के आतंकी मॉड्यूल को अंडरवर्ल्ड और पाकिस्तान-आईएसआई प्रशिक्षित आतंकी मॉड्यूल के माध्यम से दो घटकों के माध्यम से संचालित किया जा रहा था। सूत्रों ने कहा कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों से पूछताछ से पता चला है कि वे 1993 के मुंबई विस्फोटों की तर्ज पर हमले की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार आतंकियों के पास से पुलिस ने करीब 1.5 किलो आरडीएक्स भी बरामद किया था। गिरफ्तार आतंकियों ने कुछ लोगों के नाम बताए हैं जो आतंकी मॉड्यूल की मदद के लिए स्लीपर सेल के तौर पर काम कर रहे थे।

बीएमसी का एलान-गणेश चतुर्थी के बाद मुंबई लौटने वालों को करानी होगी कोविड-19 जांच

मुंबई में कोरोना वायरस के मामले कम होने बावजूद सख्ती जारी है। खास तौर पर गणेश चतुर्थी को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बृहंमुबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) ने लोगों कहा है वे त्योहार के बाद अपने गृहराज्यों व शहरों से मुंबई लौटने पर कोविड-19 टेस्ट जरूर करवाएं। बीएमसी ने कहा है कि उसने त्योहार से लौटने के बाद मुंबई लौटने वालों की मुफ्त कोविड जांच के लिए 266 केंद्र बनाए हैं। कोरोना वायरस से लिहाज से अगले 15 दिन बेहद अहम हैं। बीएमसी ने 226 केंद्र बनाए हैं जहां मुफ्त कोविड-19 जांच की सुविधा मिलेगी। इन लोग की कोरोना जांच की रिपोर्ट उनके घर पर ही पहुंचेगी। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा कि लोगों को सावधानी बरतनी होगी क्योंकि वे अपने शहरों में दूसरे लोगों के संपर्क में आएंगे। वहां के जांच केंद्रों पर लोगों को जाना चाहिए। सावधानी से संक्रमण को रोकने में मदद मिलेगी। वैक्सीन हर रोज उपलब्ध है। लोगों को टीका लगवाने के लिए आगे आना चाहिए।

भारत में फिर से क्यों बढ़ रहे हैं कोरोना के नए केस? सरकार सतर्क

नई दिल्ली, देश में चार दिन से कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं तथा पिछले 24 घंटो में नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या कम रही और सक्रिय मामलों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई। इस बीच देश में शुक्रवार को दो करोड़ 15 लाख 98 हजार 046 लोगों को कोरोना के टीके लगाए गए और अब तक 79 करोड़ 42 लाख 87 हजार 699 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। देश ने कोविड टीकाकरण के अभियान में कल विश्व कीर्तिमान कायम किया और चीन का रिकॉर्ड तोड़ा , जहां एक दिन में लगभग दो करोड़ आठ लाख टीके लगाए जाने का रिकॉर्ड था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के 35,662 नए मामलों की पुष्टि की गयी। इससे पहले 14 सितम्बर को 25,404 , 15 सितम्बर को 27,176 , 16 सितम्बर को 30,570 और 17 सितम्बर को 34,403 मामले दर्ज किए गए थे। कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 34 लाख 17 हजार 390 हो गया है। पिछले 24 घंटों में 33,798 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर तीन करोड़ 26 लाख 32 हजार 222 हो गयी है। सक्रिय मामले 1583 बढ़कर तीन लाख 40 हजार 639 हो गए हैं। इसी अवधि में 281 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 4,44,529 हो गया है। देश में रिकवरी दर 97.65 और सक्रिय मामलों की दर 1.02 तथा मृत्यु दर 1.33 फीसदी पर बरकरार है। केरल अभी देश में पहले स्थान पर सक्रिय मामलों के हिसाब से केरल अभी देश में पहले स्थान पर हैं। पिछले 24 घंटों में यहां सबसे अधिक 2741 सक्रिय मामले बढ़े हैं और इनकी संख्या अब 1,89,495 हो गयी है। वहीं 20,388 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 42,56,697 हो गई है, जबकि 131 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 23,296 हो गयी है।

कोरोना अपडेट राज्य

महाराष्ट्र: सक्रिय मामले 891 घटकर 52,002 रह गए हैं जबकि 67 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 1,38,389 हो गई है। वहीं 4410 लोगों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 63,24,720 हो गयी है।

तेजी से बढ़ती असमानता

नैशनल सैंपल सर्वे द्वारा करवाए गए ऑल इंडिया डेट एंड इन्वेस्टमेंट सर्वे 2019 की रिपोर्ट ने एक बार फिर देश में लगातार बढ़ती गैर-बराबरी की ओर ध्यान खींचा है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश की कुल संपत्ति का आधे से अधिक हिस्सा ऊपर की दस फीसदी आबादी के हाथों में सिमट गया है। निचले हिस्से की 50 फीसदी आबादी के पास महज दस फीसदी संपत्ति है। गांवों के मुकाबले शहरों में यह विभाजन और तीखा नजर आता है। जहां ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अमीर दस फीसदी लोगों के पास 50.8 फीसदी संपत्ति है वहीं शहरी क्षेत्रों में यह 55.7 प्रतिशत पाया गया है। इस विस्तृत सर्वे रिपोर्ट के अलग-अलग कई महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिन पर बारीकी से विचार होना चाहिए, लेकिन एक तथ्य स्पष्ट है कि विकास की प्रक्रिया जिन इलाकों में ज्यादा तेज रही, वहां असमानता का अनुपात भी ज्यादा है। इस तथ्य के अपने गहरे

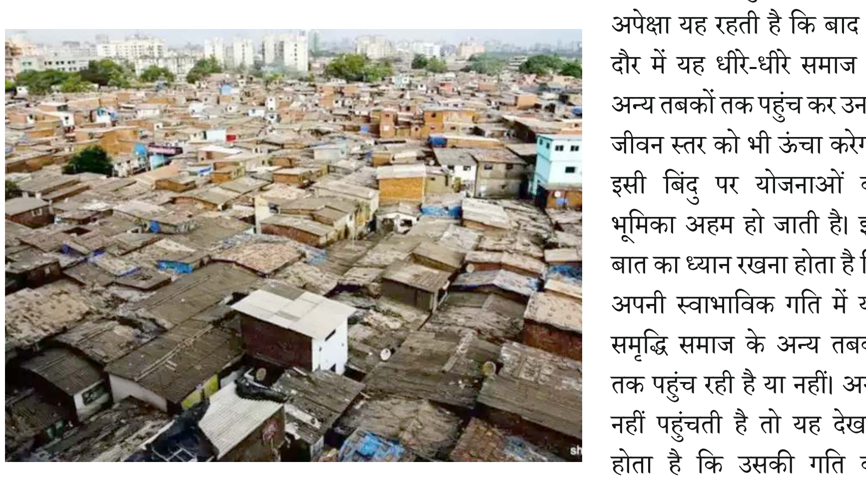

निहितार्थ भले हों, लेकिन यह अपने आप में कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी समय-समय पर आने वाली अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह तथ्य उजागर होता रहा है कि भारत में विकास की गति तेज होने के बाद भी पिछले ढाई-तीन दशकों में विषमता में तेज बढ़ोतरी हुई है। क्रेडिट सुईस की ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2018 में तो कहा गया था कि देश की सबसे अमीर एक फीसदी आबादी के पास 51.5 फीसदी संपत्ति इकट्ठा हो गई है।

ऐसी अलग-अलग रिपोर्टों में प्रतिशत का थोड़ा-बहुत अंतर कभी-कभार दिखता है तो उसकी एक वजह यह होती है कि उनमें संपत्ति की गणना के पैमाने अलग-अलग होते हैं। लेकिन इस तथ्य की पुष्टि इन तमाम रिपोर्टों से होती है कि भारतीय समाज में विषमता सुरसा के मुंह की तरह लगातार बढ़ती जा रही है। वैसे यह रुझान अपने देश तक सीमित नहीं है। किसी भी समाज में अगर तेजी से समृद्धि आती है तो यह संभावना रहती है कि शुरू में संपत्ति आबादी के कुछ खास हिस्सों के हाथों में आए, जिससे विषमता बढ़ी हुई दिखने लगे। अपेक्षा यह रहती है कि बाद के दौर में यह धीरे-धीरे समाज के अन्य तबकों तक पहुंच कर उनके जीवन स्तर को भी ऊंचा करेगी। इसी बिंदु पर योजनाओं की भूमिका अहम हो जाती है। इस बात का ध्यान रखना होता है कि अपनी स्वाभाविक गति में यह समृद्धि समाज के अन्य तबकों तक पहुंच रही है या नहीं। अगर नहीं पहुंचती है तो यह देखना होता है कि उसकी गति को बाधित करने वाले कारक कौन से हैं और उन्हें दूर करने के क्या इंतजाम हो सकते हैं। एनएसएस के ताजा आंकड़े बताते हैं कि अपने देश में सरकार को ऐसे इंतजामों पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

फिर याद आए पटेल

किरीट ए. चावड़ा

बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व का गुजरात में मुख्यमंत्री बदलने का फैसला जितना चौंकाने वाला था, उतना ही आश्चर्यजनक रहा इस पद के लिए भूपेंद्र पटेल का चयन। पटेल पहली बार इसी विधानसभा के लिए चुने गए थे। वहीं, उत्तराखंड और कर्नाटक के बाद गुजरात तीसरा बीजेपी शासित राज्य है, जहां हाल-फिलहाल मुख्यमंत्री बदला गया। यहां अगले साल के आखिर में विधानसभा चुनाव हैं। इसलिए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह कदम किसी भी सत्ता विरोधी लहर की आशंका को पूरी तरह खत्म करने के लिए उठाया गया है। खासतौर पर कोविड को लेकर लोग रूपाणी सरकार से नाराज थे। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान कथित तौर पर मृतकों की संख्या कम करके बताए जाने, दवाओं की कमी और स्वास्थ्य ढांचे की अपर्याप्तता की खबरों के बीच प्रदेश पार्टी अध्यक्ष और रूपाणी के बीच तालमेल की कमी भी सुर्खियों में रही थी। ऐसे में नेतृत्व परिवर्तन का यह फैसला एक तीर से दो शिकार करने का प्रयास कहा जा सकता है। नए मुख्यमंत्री पटेल समुदाय से हैं। यह समुदाय अरसे से बीजेपी समर्थक और पार्टी की हिंदुत्व की राजनीति का

आधार रहा है।

पटेल पिछले कुछ वर्षों से बीजेपी से नाराज चल रहे थे। खासतौर पर सूरत निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी को मिले समर्थन के बाद बीजेपी को लगा कि उसे पटेलों को गोलबंद करना जरूरी है। इसलिए भूपेंद्र पटेल को नया सीएम बनाया गया है। यह फैसला सत्ताधारी पार्टी की रणनीति में एक और बदलाव की ओर इशारा करता है। गुजरात में विजय रूपाणी, महाराष्ट्र में गैर-मराठा देवेंद्र फड़णवीस, हरियाणा में गैर-जाट मनोहर लाल और झारखंड में गैर-आदिवासी रघुबर दास को मुख्यमंत्री बनाकर बीजेपी ने पहले संदेश दिया था कि वह प्रदेश राजनीति में दबदबा रखने वाली जाति का मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। इसके पीछे एक दलील तो यह थी कि वह जात-पात की राजनीति को बढ़ावा नहीं देना चाहती। दूसरी बात यह कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता पर सवार बीजेपी को अन्य कारकों की ज्यादा चिंता करने की जरूरत महसूस नहीं हो रही थी। मगर बदले हालात में कर्नाटक में येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद उनके लिंगायत समुदाय से ही अगला मुख्यमंत्री चुना जाना और फिर गुजरात में पटेल समुदाय का मुख्यमंत्री बनाया जाना बताता है कि बीजेपी भी राजनीति के प्रचलित और समयसिद्ध फॉर्म्युलों की एक हद से ज्यादा अनदेखी करने के मूड में नहीं है। संभव है कि विपक्ष इसे मोदी फैक्टर का असर घटने और पिछली बीजेपी सरकार की नाकामी के सबूत के रूप में पेश करना चाहे, लेकिन राजनीति में कामयाबी से बड़ी कोई कसौटी नहीं होती। बीजेपी की भी इस नई रणनीति की सार्थकता अगले विधानसभा चुनावों में ही साबित होनी है।

जिगर डी वाढेर

एक इशारा है चीनी कंपनी एवरग्रैंड का डूबना

चीनी रीयल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड की क्रेडिट रेटिंग पिछले दो महीनों में एक ही इंटरनैशनल रेटिंग एजेंसी द्वारा तीन बार डाउनग्रेड की गई, लेकिन हाल-हाल तक वह किसी बड़ी समस्या से इनकार करती रही। फिर अचानक कंपनी ने बयान जारी किया कि उसके बनाए मकानों, दुकानों और दफ्तरों की नई सेल लगभग पूरी तरह रुक गई है और कर्जों की किस्तें लौटाने में उसको समस्या हो सकती है। एवरग्रैंड का डिफॉल्ट करना कितनी बड़ी बात है, इसका अंदाजा लगाने के लिए आप उसके कर्जों पर नजर डालें। उसने कई चीनी बैंकों से कुल मिलाकर 300 अरब डॉलर का कर्जा ले रखा है। भारतीय रुपयों में यह रकम 22 लाख करोड़ रुपये से जरा ज्यादा ही बैठती है!

महंगाई का प्रकोप

निश्चय ही यह राशि काफी बड़ी है, लेकिन अगर यह पूरी तरह डूब जाए तो भी हमारे लिए इसमें चिंता की क्या बात है? चीन दुनिया की दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था है और भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार भी। लेकिन चीन में ठंड बढ़ने से भारतीय अर्थव्यवस्था को जुकाम लग जाए, ऐसी नौबत तो अभी नहीं आई है। चीनी केंद्रीय बैंक ने एवरग्रैंड मामले में रुचि लेनी शुरू कर दी है और बिल्कुल संभव है कि अगले कुछ दिनों में वह इस कंपनी को कर्जा देने वाले बैंकों को देर से अदायगी और हेयरकट (ब्याज, मूलधन या दोनों में कटौती) के लिए राजी कर ले। उसकी असल चिंता यह है कि इस कंपनी की बीमारी कहीं पूरे रीयल एस्टेट सेक्टर में न फैल जाए, जिसने फिलहाल चीन के कुल जीडीपी के एक चौथाई के बराबर कर्जा उठा रखा है। यहां से आगे समस्या दूसरे औद्योगिक क्षेत्रों में और चीनी अर्थव्यवस्था से बाहर भी जा सकती है।

पिछले हफ्ते रूस के केंद्रीय बैंक ने दुनिया में सरकारी और निजी कर्जे 25 ट्रिलियन डॉलर-अमेरिकी अर्थव्यवस्था का सवा गुना- की सीमा पार कर जाने की बात कही थी। इस कर्जे के बोझ को लेकर तो कहीं कोई बात ही नहीं हो रही है। अभी हर जगह सस्ती से सस्ती दर पर ज्यादा से ज्यादा कर्जा बांटने, पिछले कर्जे की उगाही टालने और जितना हो सके उतना माफ कर देने की उम्मीद सरकारों से की जा रही है। ऐसा माहौल न रहता तो अब से छह-सात साल पहले जिस तरह ग्रीस का दिवाला पिटा था और दक्षिणी यूरोप के कई देशों के कर्जे की बाढ़ में डूब जाने की बातें हवा में थीं, वैसी कई घटनाएं पिछले डेढ़ वर्षों में ही हो चुकी होतीं। छोटे-मोटे कई देशों के केंद्रीय बैंक कर्ज अदायगी में असमर्थता जताकर अलग ही तरह का मानवीय संकट पैदा कर

चुके होते। फिलहाल ऐसा नहीं हो रहा तो इसका अर्थ यह न लगाया जाए कि बीमारी से जुड़ी सुस्ती को छोड़कर बाकी सब ठीक-ठाक है। बेहिसाब बांटे गए कर्जे का असर पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रही महंगाई की शक्ल में दिखाई पड़ने लगा है। शास्त्रीय हिसाब से इसकी वजहें तीन हैं। एक यह कि कुछ चीजों का उत्पादन अभी पूरी क्षमता पर नहीं हो पा रहा है, लेकिन उनकी मांग अपने स्वाभाविक स्तर पर आ गई है- सप्लाई साइड इन्फ्लेशन। बेरोजगारी नियंत्रित रखने के लिए सरकारों ने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्चा बहुत बढ़ा दिया है। लिहाजा सीमेंट, लोहा और निर्माण कार्य से जुड़े बाकी सामानों में मांग आधारित महंगाई (डिमांड साइड इन्फ्लेशन) भी देखने को मिल रही है। लेकिन बाजार में मुद्रा की आपूर्ति चीजों और सेवाओं की खरीद-बिक्री से जुड़ी जरूरतों से कहीं ज्यादा हो जाने के कारण पैदा होने वाली तीसरी तरह की महंगाई रहस्यमय ढंग से बढ़ती है और अपने पीछे भ्रष्टाचार और विषमता का परनाला छोड़ती हुई आती है। इसको रोकने के लिए ब्याज दरें बढ़ाने और कर्ज की शर्तें सख्त करने के सिवा और कोई रास्ता केंद्रीय बैंकों के पास नहीं होता। रूस के केंद्रीय बैंक ने पिछले दिनों अपनी मुख्य ब्याज दर एक ही बार में सीधे एक फीसदी बढ़ा दी। बाकी देश इस दिशा में कब कदम बढ़ाते हैं, यह देखने की बात है। ऐसा जब भी होगा, कोरोना के दौरान रचे गए कई सारे तिलस्म टूट जाएंगे। यह एक विडंबना ही है कि इस तरह का पहला झटका हमें चीन में दिखा है, जहां कोरोना का प्रकोप सबसे पहले आया था, लेकिन जिसका असर उसी को सबसे कम झेलना पड़ा। बताया जा रहा है कि एवरग्रैंड की समस्याओं की शुरुआत चीनी केंद्रीय बैंक द्वारा पिछले साल जारी की गई

'थ्री रेड लाइंस' के साथ हुई थी। इसमें बैंकों से कंपनियों को दिए हुए कर्जों की समीक्षा करने को कहा गया था-

1. कहीं ये उनकी वापसी क्षमता से ज्यादा तो नहीं हैं,
2. कंपनियों ने कोलैटरल के रूप में पर्याप्त संपत्ति गिरवी रखी है या नहीं, और
3. डिफॉल्ट होने की स्थिति में बैंकों ने अपने पास जरूरी पूंजी की व्यवस्था रखी है या नहीं।

ये लाल रेखाएं कमोबेश भारतीय रिजर्व बैंक के तत्कालीन गवर्नर रघुराम राजन द्वारा बैंकों के लिए जारी की गई गाइडलाइंस जैसी ही हैं। फर्क इतना ही है कि भारत में कंपनियों द्वारा बैंकों को लगाया जा रहा चूना पकड़ में आया जबकि चीन में कंपनियां पकड़ में आने लगीं।

कर्ज की महामारी

एवरग्रैंड मामले से सबक लेकर भारत में अभी इतना ही किया जा सकता है कि डिफॉल्ट के कगार पर बैठी कंपनियों का हिसाब-किताब रखा जाए और उन्हें बचाने के लिए समय रहते जरूरी उपाय किए जाएं। जिन कंपनियों का पुराना कर्जा संदिग्ध स्थिति में हो उन्हें बचाने के लिए नया कर्जा बांटने के बजाय उनके कारोबार की दशा सुधारने के लिए काम किया जाए। कोरोना की बीमारी अभी गई नहीं है। लिहाजा सरकारों के सामने पहली प्राथमिकता बीमारी से निपटने और लोगों का रोजगार बचाए रखने की ही है।

क्यों अनजान चेहरों को सीएम बनाती है बीजेपी

भूपेन्द्र पटेल

गुजरात में अचानक विजय रूपाणी को हटाकर भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाने के फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट छाप दिखती है। मोदी 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। उसके बाद उन्होंने पहले राज्य की सरकार चलाई और अब देश की सरकार चला रहे हैं। इस दौरान बीजेपी में कई रणनीतिक फैसले उनके कहने पर हुए। ऐसा नहीं कि इन फैसलों पर अमल करने से पहले पार्टी में चर्चा नहीं होती, लेकिन यह भी सच है कि एकाध मामलों को छोड़ दें तो ज्यादातर में मोदी ही आखिरी फैसला करते हैं। गुजरात में भी यही हुआ, लेकिन रूपाणी को हटाकर पटेल को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयोग सफल होता है या नहीं, यह कई बातों से तय होगा। इस पर जहां विपक्षी दलों की चुनौतियों का असर होगा, वहीं बीजेपी के अंदर से उठने वाले विरोध का भी प्रभाव पड़ेगा। बचाव के उपाय गुजरात के इस मामले को अलग-थलग करके देखना ठीक नहीं होगा। रूपाणी को हटाकर पटेल को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला कई ऐसे कदमों की कड़ी है, जिन्हें हाल में प्रधानमंत्री ने शुरू किया है। इससे पहले उत्तराखंड और कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदले गए। केंद्र सरकार में कई नए मंत्री बनाए गए। कुछ को बाहर भी किया गया। इनका मकसद इस साल की शुरुआत में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान लचर व्यवस्था से उपजी नाराजगी को दूर करना था। केंद्रीय मंत्रिपरिषद में बदलाव के जरिये लोगों को संदेश दिया गया कि दोषियों को सरकार ने सजा दे दी है। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को इसीलिए हटाया गया। इस बीच, प्रधानमंत्री की लोकप्रियता विपक्ष के दूसरे नेताओं से ऊपर बनी हुई है, लेकिन मोदी को इसका अहसास भी होगा कि लोगों के बीच उनकी साख पहले जैसी नहीं रही। सच यह भी है कि उनके खिलाफ गुस्सा उतना नहीं है, जितना कोरोना की दूसरी लहर के वक्त था। इसके बावजूद प्रधानमंत्री को पता होगा कि शायद जनता को अभी जो आर्थिक परेशानियां हो रही हैं, उसकी वजह से उनके अंदर सरकार को लेकर दबी हुई 'नाराजगी' हो सकती है। मोदी यह भी जानते हैं कि यह सेंटिमेंट आगे बढ़ सकता है। इसलिए बचाव के उपाय करने जरूरी हैं।

2014 लोकसभा चुनाव में जब मोदी ने बीजेपी को बहुमत दिलाया, तब कहा गया कि उन्होंने भारतीय राजनीति में जातिगत पहचान को अप्रासंगिक बना दिया है। इसके बाद महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में बीजेपी ने जीत दर्ज की। मोदी ने तब इन राज्यों में मुख्यमंत्री पद के लिए कम जाने-माने चेहरों को चुना। वह भी उन जातियों से, जो राज्य की राजनीति में दबदबा नहीं रखती थीं। इससे यह संदेश गया कि मोदी एक 'नई' राजनीति और चुनावी परंपरा शुरू कर रहे हैं। यह संदेश आरएसएस की एक पुरानी सोच पर आधारित था- एक नेता का अनुसरण करो। साथ ही उन्होंने विकास की राजनीति का विचार पेश किया। विजय रुपाणी से मुख्यमंत्री की कुर्सी छीनी, अब गुजरात से भी दूर कर देगी बीजेपी... गवर्नर बनाने की तैयारी? जुलाई 2021 में जब केंद्रीय मंत्रिपरिषद में बदलाव हुआ तो लगा कि वह परंपरा पीछे छूट गई। इस बदलाव से जो नई टीम बनी, उसमें 27 ओबीसी और 12 दलित मंत्री थे। तब इसका हवाला देते हुए मोदी को ओबीसी और दलितों का नया मसीहा बताया गया। इस घटना को दो महीने ही गुजरे थे कि गुजरात में भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया गया। इससे पता चलता है कि बीजेपी अब गुजरात की राजनीति में दबदबा रखने वाले पटेलों को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाना चाहती। जातीय राजनीति पर लौटने का मतलब यह भी है कि पार्टी को 'नई जातिरहित' राजनीति पर पहले की तरह भरोसा नहीं रहा, जिसकी शुरुआत मोदी ने की थी। वहीं, जिस तरह से गुजरात में बीजेपी ने अलग-अलग धड़ों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है, उससे पता चलता है कि अंदरखाने नेता विरोध जताने लगे हैं। पार्टी पहले किसी व्यक्ति या किसी धड़े की मांगों पर ध्यान नहीं देती थी। नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता सब पर भारी पड़ती थी क्योंकि चुनावों में उन्हीं के दम पर जीत मिल रही थी। गुजरात में पूरी कैबिनेट में बदलाव पर छिड़ा विवाद, विजय रुपाणी के घर पहुंचे नाराज विधायक, टल गया शपथग्रहण इधर, बीजेपी के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के बीच हर राज्य में पहले जैसा तालमेल नहीं दिख रहा। 2014 में पार्टी के अंदर मोदी ने जिस ढांचे को चुना, वह वाजपेयी-आडवाणी युग के संघीय ढांचे से बिल्कुल अलग था। पहले राज्यों में नेताओं को उभरने का मौका दिया जाता था। उसे अच्छा माना जाता था। इसी नीति के कारण मोदी का राष्ट्रीय राजनीति में उभार हुआ, लेकिन 2014 के बाद बीजेपी में हाई कमान कल्चर का दबदबा बढ़ा। अजीब बात है कि यह नेहरू के बाद के कांग्रेस युग की याद दिलाता है। इस दौर में राजस्थान में वसुंधरा राजे और मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान बने तो रहे, लेकिन उनकी राजनीतिक हैसियत कम हो गई। मोदी ने उसी अंदाज में नए मुख्यमंत्री चुने, जैसे इंदिरा गांधी चुनती थीं। उन लोगों को राज्यों में शीर्ष पद पर बिठाया गया, जिनका मामूली जनाधार था और जो केंद्रीय नेतृत्व के सामने कोई चुनौती पेश नहीं कर सकते थे।

संघ के समीकरण

इसमें 2017 में एक बदलाव आया, जब योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि वह इस पद के उम्मीदवार तक नहीं थे। इसमें संघ परिवार के अंदर के राजनीतिक समीकरणों की भूमिका थी। यह बात और है कि 2019 लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद इससे मोदी को फायदा ही हुआ।

86.64 फीसदी मुंबई वालों में बनीं कोरोना की एंटीबॉडी, जानें क्या कहता है सीरो सर्वे

मुंबई, लगता है कि कोरोना वायरस की संभावित तीसरी लहर से ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है। कई विशेषज्ञों ने आशंका जताई थी कि गणेशोत्सव के बाद मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ सकती है। ऐसे में मुंबईकरों के लिए एक राहत भरी खबर आई है। बीएमसी के पांचवें सीरो सर्वे में सामने आया है कि 86.64 फीसद मुंबईकरों में आईजीजी एंटीबॉडी मौजूद हैं। यह सीरो सर्वे सायन अस्पताल, एटीआई चंद्रा फाउंडेशन और आईडीएफसी इंस्टिट्यूट ने मिलकर किया। पांचवें सीरो सर्वे में एंटीबॉडी की बढ़ी मात्रा से पिछले चारों सीरो सर्वे का रेकॉर्ड टूट गया है। बता दें कि तीसरी लहर से पहले मुंबईकरों में एंटीबॉडी जानने के लिए पांचवा सीरो सर्वे कराया है। 12 से 8 सितंबर के बीच हुए इस सर्वे में कुल 8,674 लोगों के ब्लड सैंपल लिए गए थे। बीएमसी के दवाखानों और निजी अस्पतालों में आनेवाले लोगों के सैंपल पर यह सीरो सर्वे किया गया। इस सीरो सर्वे में 20 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मचारियों के भी ब्लड सैंपल शामिल थे। 18 से अधिक उम्र के लोगों पर यह सीरो सर्वे किया गया था। झुग्गी बस्तियों में एंटीबॉडी बढ़ीं इस सर्वे में झुग्गी बस्तियों में 87.02 फीसद एंटीबॉडी मिली हैं, जबकि मार्च 2021 में हुए तीसरे सर्वे में इन बस्तियों में 41.6 फीसद और अगस्त में हुए चौथे सीरो सर्वे में 45 फीसद एंटीबॉडी पाई गई थी। वहीं, तीसरे सीरो सर्वे में बिल्डिगों में रहने वालों में 28.5 फीसद एंटीबॉडीज मिली थीं, जबकि पांचवें सीरो सर्वे में बिल्डिंगों में रहनेवाले 86.22 फीसद एंटीबॉडीज मिली हैं। बिल्डिंगों की तुलना में झुग्गी बस्तियों में रहने वाले 87.05 फीसद लोगों को कोरोना संक्रमण हुआ और उन्हें पता भी नहीं चला। टीका लगवा चुके 80% में एंटीबॉडीज पांचवें सीरो सर्वे में एक बात और अच्छी सामने आई है। इस सीरो सर्वे में कुल नमूनों में से 65 फीसद नमूने टीकाकरण हुए लोगों का और 35 फीसद नमूने बिना टीका लगाए लोगों का भी लिया गया था। इनमें से टीका लगवाए 90.26 फीसद लोगों में एंटीबॉडीज मिली हैं, जबकि बिना टीका लगवाए 79.86 फीसद में एंटीबॉडीज मिली हैं। इसके अलावा, 87.14 फीसद स्वास्थ्यकर्मियों में एंटीबॉडीज बनी हैं। सीरो सर्वे के आंकड़े महिलाओं की संख्या अधिक पांचवें सीरो सर्वे में महिलाओं में एंटीबॉडीज अधिक पाई गई हैं। इस सर्वे में 88.29 फीसद महिलाओं में एंटीबॉडीज बनी है, 85.07 फीसद पुरुषों में एंटीबॉडीज मिली हैं। 'कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें' बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल ने इसे सबके लिए अच्छी खबर बताया। साथ ही, सभी से कोरोना से जुड़े नियमों का पालन करने की भी अपील की। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा, 'भले ही कोरोना से जंग में मुंबईकरों में अधिक एंटीबॉडीज बनी हों, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उन्हें कोरोना संक्रमण नहीं हो सकता।

बुलेट ट्रेन के लिए कटेंगे पेड़! शिवसेना की भूमिका पर रहेगी सबकी नजर

मुंबई, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में प्रस्तावित बुलेट ट्रेन स्टेशन के लिए पेड़ों को काटने के लिए नैशनल हायस्पीड रेलवे कॉर्पोरेशन ने बीएमसी से अनुमति मांगी है। साथ ही, मेट्रो निर्माण के बीच में बाधा बन रहे पेड़ों को भी काटने की अनुमति मांगी गई है। गोरेगांव में मेट्रो कॉर्पोरेशन के लिए पेड़ों को काटने की अनुमति देने में रोड़ा अटकाने वाली शिवसेना बुलेट ट्रेन के पेड़ को काटने में क्या भूमिका अपनाती है, इस पर सबकी नजर टिकी है। नैशनल हायस्पीड रेलवे कॉरपोरेशन ने बीएमसी प्रशासन को सौंपे प्रस्ताव में 11 पेड़ों को काटने और 141 पेड़ों को दूसरी जगह पर लगाने की अनुमति मांगी है। बीएमसी ने पेड़ों को काटने की मांगी अनुमति पर आम जनता से सुझाव व आपत्तियां मंगाई हैं, जिसकी सुनवाई भायखला स्थित जिजाबाई भोसले उद्यान के उद्यान विभाग में होगी। लोगों की सूचना के बाद प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए बीएमसी के वृक्ष प्राधिकरण समिति के पटल पर रखा जाएगा, जिसके अध्यक्ष बीएमसी कमिश्नर हैं। वहीं, अंधेरी मेट्रो स्टेशन से हवाई अड्डे तक बन रही मेट्रो 7 ए के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास के 139 पेड़ बाधा बन रहे हैं, जिन्हें काटने की अनुमति मांगी गई है। ठाणे महानगर पालिका में सत्तासीन शिवसेना ने पिछले दिनों दिवा में बुलेट ट्रेन के लिए जमीन आवंटित की है। ठाणे में बुलेट ट्रेन के लिए शिवसेना के लचीले रवैये को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि बीकेसी में प्रस्तावित बुलेट ट्रेन के स्टेशन के लिए शिवसेना नरम रुख अपना सकती है।

गुजरात-भाजपा ने कप्तान ही नहीं बल्कि सारी टीम बदल डाली !

राज वेगड़ (राजकोट), गुजरात मैं सत्तारूढ़ भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने अपना मुख्यमंत्री बदल कर ने केवल कप्तान बदला बल्कि मंत्रिमंडल का पुनर्गठन कर सारी टीम ही बदल डाली !राजनीतिक हलकों में इसे भाजपा का सबसे बड़ा मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है ! क्या भाजपा 2022 में गुजरात विधानसभा का चुनाव इस नई टीम के साथ लड़ेगी या फिर विधानसभा चुनाव में भाजपा इससे भी बड़ा मास्टर स्ट्रोक लगाएगी ? यह तो तय है की भाजपा इस नई टीम के साथ सरकार के बचे हुए समय को पास करेगी लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा खिलाड़ियों में बदलाव कर चुनावी मैदान में उतरेगी ? यह आशंका उन विधायक को शायद है जो विजय रुपाणी मंत्रिमंडल में थे और अब भूपेंद्र पटेल के मंत्रिमंडल में नहीं है ! सवाल उठता है कि क्या भाजपा 2022 के विधानसभा चुनाव में नए चेहरों के साथ मैदान में उतरेगी ! गुजरात मंत्रीमंडल में भारी फेरबदल के बाद यह तो साबित हो गया की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दोनों गुजरात राजनीति में अभी भी प्रभावशाली नेता है ! राजनीतिक गलियारों में आशंका थी कि विजय रूपानी मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों को यदि हटाया गया तो विवाद और नाराजगी देखी जाएगी लेकिन ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया ! राजनीतिक गलियारों में पटेल कद्दावर नेता पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल पर अधिक संदेश था की वह अधिक नाराजगी प्रकट करेंगे और विवाद भी खड़ा करेंगे लेकिन ऐसा भी दिखाई नहीं दिया ! भले ही नरेंद्र मोदी और अमित शाह बाहर से प्रभावशाली नेता दिखाई दे रहे हैं लेकिन अंदर खाने यह भी सच्चाई है की भा जा पा के अंदर पटेल राजनीति को लेकर कितना भय है यह मंत्रिमंडल पुनर्गठन मैं स्पष्ट झलक रहा है, भूपेंद्र पटेल के मंत्रिमंडल में आठ मंत्री पटेल समुदाय से बनाए गए हैं स्वयं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी पटेल समुदाय से आते हैं, ऐसा लगता है जैसे गुजरात में सरकार भाजपा की नहीं बल्कि पटेल समुदाय की है ! भाजपा नेतृत्व ने बड़ा बदलाव कर मास्टर स्ट्रोक लगाया है लेकिन इस बदलाव से भी बड़ी बात यह है कि भाजपा नेतृत्व ने भाजपा के भीतर उन पटेल क्षत्रप को भी आईना दिखाया है जो लंबे समय से प्रदेश में पटेल राजनीति के सबसे बड़े छत्रप समझ कर बैठे हुए थे, अब शायद उन नेताओं को अपने भविष्य की राजनीतिक चिंता भी सता रही होगी, की 2022 के विधानसभा चुनाव में भा जा पा उन्हें पार्टी से उम्मीदवार भी बनाएगी या फिर नहीं ? क्योंकि भाजपा ने नए मंत्रिमंडल में पटेल समुदाय के नए चेहरों को स्थान दिया है क्या 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भा जा पा नए चेहरों को मैदान में उतारेगी, और क्या भाजपा का यही सबसे बड़ा मास्टर स्ट्रोक होगा जिसका अभी इंतजार करना होगा ?

लॉटरी विजेताओं को दस्तावेज जमा करने की मोहलत 9 अक्टूबर तक बढी

मुंबई, मुंबई गृहनिर्माण क्षेत्रविकास मंडल ने लॉटरी विजेता मिल मजदूरों को आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए और 30 दिन की मोहलत देना का निर्णय लिया है। विजेता अब 9 अक्टूबर तक मुंबई जिला मध्यवर्ती बैंक में दस्तावजे जमा करवा सकते हैं। मुंबई के मिल मजदूरों को शहर में बसाने के लिए 1 मार्च 2020 को 3 हजार 894 घरों की लॉटरी जारी की गई है। म्हाडा द्वारा इन मजदूरों के लिए बॉम्बे डाइंग टेक्सटाइल मिल, बॉम्बे डाइंग स्प्रिंग मिल और श्रीनिवास मिल की जगह पर घर तैयार की गए हैं। घर की चाभी हासिल करने के लिए मिल मजदूरों या उनके परिवार के सदस्यों को 9 सितंबर तक आवश्यक कागजात बैंक में जमा करने थे। लेकिन इस अवधि के दौरान कई कारणों की वजह से बहुत से विजेता दस्तावेज जमा करने में असफल रहे। जिसे देखते हुए म्हाडा ने लॉटरी विजेताओं को 30 दिन की मोहलत देने का निर्णय लिया है। म्हाडा मुंबई बोर्ड के मुख्य अधिकारी डॉ. योगेश म्हसे के मुताबिक, लॉटरी विजेताओं को उनके प्रथम सूचना पत्र पोस्ट के माध्यम से भेजा गया है, लेकिन कई कारणों से पत्र पोस्ट से वापस आ गए।

हादसे में खोए पैर, लंबी कोर्ट की लड़ाई और हड्डी का ट्यूमर...फिर भी सब्जी बेचने वाले की बेटी ने 'रोशन' की अपनी दुनिया

मुंबई, 13 साल पहले जोगेश्वरी निवासी रोशन जव्वाद ने एक ट्रेन दुर्घटना में अपने दोनों पैर खो दिए। उस दिन उन्हें लगा कि उनकी जिंदगी ठहर गई। रोशन को लगा कि उनके बचपन का सपना कभी पूरा नहीं होगा। वह अब कभी डॉक्टर नहीं बन सकेंगी।

रोशन ने हिम्मत नहीं हारी। खुद को मजबूत किया और कानूनी लड़ाई और अब वह पैथोलॉजी में एमडी कर रही हैं। रोशन को बोन ट्यूमर भी है, लेकिन उनकी कोई कमजोरी उनके सपनों के आड़े नहीं आती। 29 साल की रोशन कहती हैं, 'मैं एमडी पास करके बहुत खुश हूं। यह करने मेरे लिए मुश्किल था, लेकिन मैंने खुद से वादा किया था कि मैं हार नहीं मानूंगी।' 2008 में खोए पैर अक्टूबर 2008 में रोशन अपने स्कूल बांद्रा के अंजुमन-ए-इस्लाम गर्ल्स कॉलेज परीक्षा देने गई थीं। वहां से वह अपने स्कूल के दोस्त के साथ ट्रेन से अंधेरी से जोगेश्वरी लौट रही थीं।

रोशन का पांव फिसल गया और वह पटरियों पर गिर गईं। उनके पैर चलती ट्रेन के नीचे आ गए। पिता बेचते थे सब्जी तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और दसवीं कक्षा में 92.2 फीसदी अंक प्राप्त किए। सब्जी विक्रेता की बेटी का डॉक्टर बनने का सफर आसान नहीं रहा। प्रवेश परीक्षा पास करने के बाद भी उन्हें एमबीबीएस में प्रवेश के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। 70 फीसदी का था नियम, रोशन थीं 86 पर्सेंट विकलांग रोशन ने बताया कि नियम था कि सिर्फ 70 फीसदी तक विकलांग लोग ही मेडिकल की पढ़ाई कर सकते हैं। लेकिन वह दुर्घटना के बाद 86 फीसदी तक विकलांग हो गई थीं। कानूनी लड़ाई के दौरान उसे कई चक्कर लगाने पड़े, यहां तक कि आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ा। हाई कोर्ट के आदेश पर मिला MBBS में प्रवेश लंबी लड़ाई के बाद आखिर रोशन को जीत मिली। बॉम्बे हाई कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति मोहित शाह ने रोशन को मेडिकल में प्रवेश देने का आदेश दिया। रोशन ने सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज (केईएम अस्पताल) से 2016 में प्रथम श्रेणी के साथ एमबीबीएस पास किया। उसने 2018 में पीजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा को क्रैक किया और उसी कॉलेज में एमडी (पैथोलॉजी) के लिए प्रवेश लिया।

एमडी में प्रवेश के लिए भी लगे रोड़े रोशन ने बताया, 'एमडी में प्रवेश से पहले, मुझे 86 फीसदी विकलांगता की समान समस्या का सामना करना पड़ा।

अश्लील फिल्म मामला- कुंद्रा ने सबूत नहीं होने का दावा कर मांगी जमानत

मुंबई, अश्लील फिल्म मामले में आरोपी कारोबारी राज कुंद्रा ने शनिवार को यहां की अदालत में जमानत अर्जी दाखिल कर दावा किया कि उन्हें 'बलि का बकरा' बनाया जा रहा है और मामले में दाखिल पूरक आरोप पत्र में कोई सबूत नहीं है जो कथित आपत्तिजनक फिल्म बनाने में उनकी प्रत्यक्ष संलिप्तता को साबित करे। मामले की जांच कर रही अपराध शाखा ने कुंद्रा और तीन अन्य के खिलाफ कथित तौर पर अश्लील (पोर्न) फिल्म बनाने और कुछ ऐप की मदद से प्रसारित करने के आरोप में हाल में पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है।इसके बाद आरोपी ने मेट्रोपोलिटन अदालत का रुख किया और तर्क दिया कि व्यवहारिक रूप से मामले की जांच हो चुकी है। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति कुंद्रा को 19 जुलाई को गिफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस समय कुंद्रा न्यायिक हिरासत में हैं। अधिवक्ता प्रशांत पाटिल के जरिये दाखिल जमानत अर्जी में कुंद्रा ने दावा किया कि आज की तरीख तक अभियोजन के पास एक भी सबूत नहीं है जो 'हॉटशॉट्स' ऐप को कानून के आधार पर अपराध के साथ संबद्ध कर सके। अभियोजन के मुताबिक हॉटशॉट्स ऐप के जरिये आरोपी अश्लील सामग्री को अपलोड एवं स्ट्रीमिंग करता था। जमानत अर्जी में यह भी कहा गया कि पूरे पूरक आरोप पत्र में एक भी आरोप मौजूदा आवेदक (कुंद्रा) के खिलाफ नहीं है जो इंगित करे कि वह किसी वीडियो की शूटिंग में सक्रिय रूप से शामिल थे। बल्कि यह कलाकार के विवेक पर है कि वह सामग्री ऐप पर अपलोड करे या नहीं करे।

आया मौसम दोस्ती का... चंद्रकांत पाटिल, उद्धव ठाकरे के बाद फडणवीस ने कहा- राजनीति में कुछ भी संभव!

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने औरंगाबाद जिले में एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी के साथ दोस्ती को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री राव साहेब दानवे की मौजूदगी में कहा कि बीजेपी भविष्य का साथी हो सकता है। दरअसल उद्धव ठाकरे ने मंच पर अपने भाषण की शुरुआत में कहा, ' मंच पर मौजूद मेरे पुराने और अब के साथी और अगर साथ आए तो भविष्य के सहयोगी'। ठाकरे के इस बयान ने एक बार फिर महाराष्ट्र की सियासत में नई अटकलों को फिर से जन्म दे दिया है। जिस तरह से मौजूदा समय में महाविकास अघाड़ी सरकार के तीनों घटक दलों में मतभेद सामने आ रहे हैं। उससे शिवसेना- बीजेपी के साथ की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। मुझे पूर्व मंत्री मत कहो उद्धव ठाकरे के इस दोस्ती वाले बयान से ठीक एक दिन पहले यानी 16 सितंबर को पुणे के पिंपरी में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल के एक वक्तव्य ने सबको चौंका दिया था। दरअसल पाटिल ने कहा था, 'मुझे पूर्व मंत्री मत कहो दो तीन दिन में देखो' अब पाटिल के इस बयान के भी मायने निकालने जाने शुरू हो गए हैं। सीएम ने मेरे दिल की बात कही वहीं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस के बयान से भी शिवसेना बीजेपी के एक साथ आने की खबरों को बल मिला है। उद्धव ठाकरे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस बोले, 'राजनीति में कभी भी कुछ भी संभव है। उद्धव जी ने हमारे मन की बात कही है।

महाराष्ट्र एटीएस ने एक संदिग्ध को पकड़ा, आतंकी मॉड्यूल से तार जुड़े होने का संदेह

मुंबई, महाराष्ट्र के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने दिल्ली पुलिस द्वारा पाकिस्तान संगठित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के सिलसिले में मुंबई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस विभाग में सूत्रों ने बताया कि जाकिर नाम के व्यक्ति को शुक्रवार रात को चलाए एक अभियान के दौरान उपनगर जोगेश्वरी से पकड़ा गया। बाद में उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से प्रशिक्षण ले चुके दो आतंकवादियों समेत छह लोगों की गिरफ्तारी के साथ ही मंगलवार को आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। अधिकारियों ने बताया था कि आतंकवादियों ने देशभर में कई धमाके करने की कथित तौर पर साजिश रची थी। छह संदिग्ध आतंकवादियों में से एक मोहम्मद शेख मुंबई के धारावी का रहना वाला है। सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध आतंकवादियों से पूछताछ के दौरान जाकिर का नाम सामने आया था।

मुंबई में बुजुर्ग चिकित्सक से जबरन वसूली का प्रयास करने के आरोप में एक महिला समेत तीन गिरफ्तार

मुंबई, मुंबई के उपनगर गोरेगांव में एक बुजुर्ग चिकित्सक से 50 लाख रूपये की जबरन वसूली करने के प्रयास के आरोप में एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग खुद को कथित तौर पर नक्सली बताकर चिकित्सक से पैसे ऐंठना चाह रहे थे। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने खुलासा किया है कि इन तीनों ने यूट्यूब पर वीडियो देखकर जबरन वसूली की योजना बनाई थी। एक अधिकारी ने बताया कि गोरेगांव (ईस्ट) के पांडुरंग वडी इलाके में क्लिनिक चलाने वाले 76 वर्षीय चिकित्सक को बुधवार को एक पत्र मिला था जिसमें एक नक्सली संगठन ने उनसे 50 लाख रूपये की मांग की थी। इसमें आरोपियों ने धमकी दी थी कि पैसा नहीं देने पर चिकित्सक और उनके बेटे की हत्या कर दी जाएगी। इस बाबत वनराई पुलिस थाने में वसूली का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस उपायुक्त दत्ता नलवड़े ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज देखकर पुलिस ने आरोपियों का पता लगा लिया। आरोपी भाईसाखी बिस्वास (21), मोध हयात शाहा (45) और विक्रांत कीरत (50) ने बताया कि उन्होंने यूट्यूब पर वीडियो देखकर यह साजिश रची थी।

मुंबई पुलिस ने मनोज पाटिल केस में अभिनेता साहिल खान और तीन के खिलाफ मामला दर्ज किया

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने औरंगाबाद जिले में एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी के साथ दोस्ती को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री राव साहेब दानवे की मौजूदगी में कहा कि बीजेपी भविष्य का साथी हो सकता है। दरअसल उद्धव ठाकरे ने मंच पर अपने भाषण की शुरुआत में कहा, ' मंच पर मौजूद मेरे पुराने और अब के साथी और अगर साथ आए तो भविष्य के सहयोगी'। ठाकरे के इस बयान ने एक बार फिर महाराष्ट्र की सियासत में नई अटकलों को फिर से जन्म दे दिया है। जिस तरह से मौजूदा समय में महाविकास अघाड़ी सरकार के तीनों घटक दलों में मतभेद सामने आ रहे हैं।

उससे शिवसेना- बीजेपी के साथ की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। मुझे पूर्व मंत्री मत कहो उद्धव ठाकरे के इस दोस्ती वाले बयान से ठीक एक दिन पहले यानी 16 सितंबर को पुणे के पिंपरी में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल के एक वक्तव्य ने सबको चौंका दिया था। दरअसल पाटिल ने कहा था, 'मुझे पूर्व मंत्री मत कहो दो तीन दिन में देखो' अब पाटिल के इस बयान के भी मायने निकालने जाने शुरू हो गए हैं। सीएम ने मेरे दिल की बात कही वहीं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस के बयान से भी शिवसेना बीजेपी के एक साथ आने की खबरों को बल मिला है।

उद्धव ठाकरे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस बोले, 'राजनीति में कभी भी कुछ भी संभव है। उद्धव जी ने हमारे मन की बात कही है। यह सुनकर अच्छा लगा'। राजनीति में सभी मित्र मुख्यमंत्री के बयान पर एनसीपी नेता और कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि विरोधी पार्टियां कभी दुश्मन नहीं होती हैं।

राजनीति में सभी मित्र ही होते हैं। मुख्यमंत्री परेशान हैं ऐसा कहना गलत होगा। भुजबल ने कहा कि महाविकास अघाड़ी सरकार को कोई खतरा नही है।

अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें

हिरल शाह

क्रोध एक सामान्य भावना है और यह एक सकारात्मक भावना हो सकती है जब यह आपको मुद्दों या समस्याओं के माध्यम से काम करने में मदद करती है, चाहे वह काम पर हो या घर पर। हालांकि, क्रोध समस्याग्रस्त हो सकता है अगर यह आक्रामकता, विस्फोट, या यहां तक कि शारीरिक परिवर्तन की ओर ले जाता है।

क्रोध पर नियंत्रण महत्वपूर्ण है ताकि आप कुछ ऐसा कहने या करने से बच सकें जिसके लिए आपको पछतावा हो। क्रोध बढ़ने से पहले, आप क्रोध को नियंत्रित करने के लिए विशिष्ट रणनीतियों का उपयोग कर सकते हैं।

क्रोध प्रबंधन का लक्ष्य आपकी भावनात्मक भावनाओं और क्रोध के कारण होने वाली शारीरिक उत्तेजना दोनों को कम करना है। आप उन चीजों या लोगों से न तो छुटकारा पा सकते हैं, न ही उनसे बच सकते हैं, न ही आप उन्हें बदल सकते हैं, लेकिन आप अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करना सीख सकते हैं।

विश्राम

सरल विश्राम उपकरण, जैसे गहरी साँस लेना और आराम की कल्पना, क्रोधित भावनाओं को शांत करने में मदद कर सकते हैं। ऐसी किताबें और पाठ्यक्रम हैं जो आपको विश्राम तकनीक सिखा सकते हैं, और एक बार जब आप तकनीक सीख लेते हैं, तो आप उन्हें किसी भी स्थिति में बुला सकते हैं। यदि आप किसी ऐसे रिश्ते में शामिल हैं, जहां दोनों साथी गर्म स्वभाव के हैं, तो इन तकनीकों को सीखना आप दोनों के लिए एक अच्छा विचार हो सकता है।

संज्ञानात्मक पुनर्गठन सीधे शब्दों में कहें तो इसका मतलब है अपने सोचने के तरीके को बदलना। क्रोधित लोग अत्यधिक रंगीन शब्दों में कोसते हैं, कसम खाते हैं या बोलते हैं जो उनके आंतरिक विचारों को दर्शाते हैं। जब आप क्रोधित होते हैं, तो आपकी सोच अतिशयोक्तिपूर्ण और अत्यधिक नाटकीय हो सकती है। इन विचारों को अधिक तर्कसंगत विचारों से बदलने का प्रयास करें। उदाहरण के लिए, अपने आप से कहने के बजाय, "ओह, यह भयानक है, यह भयानक है, सब कुछ बर्बाद हो गया है," अपने आप से कहो, "यह निराशाजनक है, और यह समझ में आता है कि मैं इसके बारे में परेशान हूं, लेकिन यह दुनिया का अंत नहीं है और गुस्सा इसे किसी भी तरह ठीक करने वाला नहीं है।"

बेहतर संचार

क्रोधित लोग निष्कर्ष पर कूद पड़ते हैं और उन पर कार्रवाई करते हैं, और उनमें से कुछ निष्कर्ष बहुत गलत हो सकते हैं। यदि आप एक गर्म चर्चा में हैं, तो सबसे पहली बात यह है कि धीमी गति से और अपनी प्रतिक्रियाओं के माध्यम से सोचें। जो पहली बात आपके दिमाग में आए, उसे मत कहो, लेकिन धीमे हो जाओ और ध्यान से सोचो कि तुम क्या कहना चाहते हो। साथ ही, दूसरा व्यक्ति क्या कह रहा है, उसे ध्यान से सुनें और उत्तर देने से पहले अपना समय लें।

हास्य का उपयोग करना

"मूर्खतापूर्ण हास्य" कई तरह से क्रोध को शांत करने में मदद कर सकता है। एक बात के लिए, यह आपको अधिक संतुलित दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद कर सकता है। जब आप क्रोधित होते हैं और किसी का नाम पुकारते हैं या किसी कल्पनाशील वाक्यांश में उनका उल्लेख करते हैं, तो रुकें और सोचें कि वह शब्द सचमुच कैसा दिखेगा। यदि आप काम पर हैं और आप एक सहकर्मी को "डर्टबैग" या "सिंगल-सेल लाइफ फॉर्म" के रूप में देखते हैं, उदाहरण के लिए, अपने सहकर्मी के डेस्क पर बैठे गंदगी (या अमीबा) से भरे एक बड़े बैग की तस्वीर लें। फोन, मीटिंग में जाना।

ऐसा तब करें जब आपके दिमाग में किसी दूसरे व्यक्ति का नाम आए। यदि आप कर सकते हैं, तो वास्तविक चीज़ कैसी दिख सकती है, इसका एक चित्र बनाएं। यह आपके रोष से काफी हद तक निजात दिलाएगा; और तनावपूर्ण स्थिति को दूर करने में मदद के लिए हास्य पर हमेशा भरोसा किया जा सकता है।

अगर आपको लगता है कि आपका गुस्सा वास्तव में नियंत्रण से बाहर है, अगर यह आपके रिश्तों और आपके जीवन के महत्वपूर्ण हिस्सों पर प्रभाव डाल रहा है, तो आप इसे बेहतर तरीके से कैसे संभालना है, यह जानने के लिए परामर्श पर विचार कर सकते हैं। एक मनोवैज्ञानिक या अन्य लाइसेंस प्राप्त मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर आपकी सोच और आपके व्यवहार को बदलने के लिए कई तकनीकों को विकसित करने में आपके साथ काम कर सकता है।

वैज्ञानिकों की चेतावनी-प्रदूषण के कारण जलीय पर्यावरण को हो रहा है भारी नुकसान, विलुप्त होते जा रहे हैं कई जीव

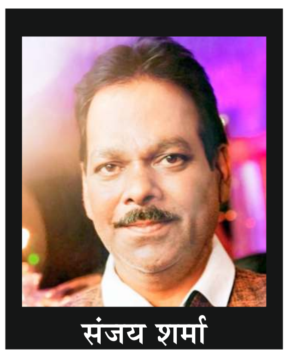
संजय शर्मा

आज के समय में पर्यावरण प्रदूषण दुनियाभर के लिए बड़ी मुसीबत का कारण बना हुआ हे ै। प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण नदियां और झीलें प्रभावित हो रही हैं। वैसे तो पृथ्वी के केवल एक फीसदी हिस्से पर ही नदियां और झीलें हैं, हालांकि यह मछली, स्तनधारी, पक्षी, कीड़े और क्रस्टेशियंस सहित तमाम प्रकार की लगभग 10 फीसदी प्रजातियों का निवास भी है। पर्यावरण वैज्ञानिकों का कहना है कि मानव इतिहास में पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है कि इन प्रजातियों में तेजी से गिरावट आ रही है। कई सारे जीव, जो नदियों और समुद्रों को साफ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे वह तेजी से विलुप्त होते जा रहे हैं, इसका सीधा असर मानव समाज पर पड़ सकता है।हालिया अध्ययनों के आधार पर वैज्ञानिकों का कहना है कि वनों की तुलना में आर्द्रभूमि तीन गुना तेजी से विनाश की तरफ बढ़ती जा रही है। जिस तरह से दुनियाभर में प्लास्टिक, सीवेज, खनन कीचड़, औद्योगिक और कृषि रसायनों का उपयोग बढ़ा है, ऐसे में यह पानी की गुणवत्ता को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। भविष्य में इसके कई प्रकार के नुकसान देखने को मिल सकते हैं।

आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं। तेजी से विलुप्त हो रहे हैं कई सारे जीवजलीय जीवन को प्रभावित करने वाले तमाम कारकों को जानने के लिए अध्ययन कर रही वैज्ञानिकों की एक टीम ने लोगों को अलर्ट किया है। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि तेजी से बढ़ रहे तमाम प्रकार के प्रदूषण के कारण आज के समय में स्वच्छ और मीठे पानी में रहने वाले 4 में से 1 जीव विलुप्त होने की कगार पर खड़े हैं। इन जीवों का मानव सभ्यता और जनजीवन को सुव्यवस्थित रखने में विशेष योगदान माना जाता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि हम पर्यावरणीय डीएनए या ईडीएनए का उपयोग करके तमाम प्रकार के जीवों की प्रजातियों के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे इनके संभावित जोखिम कारकों का पता लगाया कर इन्हें सुरक्षित करने की दिशा में काम किया जा सके। प्रदूषण के कारण जलीय पर्यावरण पर खतराजलीय पर्यावरण को नुकसान पहुंचान वाले कारकों

को जानने के लिए अध्ययन करने वाली टीम का कहना है कि दुनियाभर में पानी की गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने के लिए कई सारे जलीय जीवों का अस्तित्व बहुत मायने रखता है, हालांकि समय के साथ हम इसे खोते जा रहे हैं। इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने अलग-अलग प्रजातियों के बारे में अध्ययन के लिए प्रयोग में लाई जा रही पारंपरिक बायोमोनिटरिंग विधियों पर भी सवाल उठाते हुए इन्हें काफी धीमा और महंगा बताया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दशकों में हमारा जीवन सुव्यवस्थित बना रहे इसलिए हमें अभी से जलीय पर्यावरण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। मानव जीवन होता जाएगा चुनौतीपूर्णवैज्ञानिकों ने डीएनए विधि के माध्यम से जलीय जीवन और लुप्त हो रही प्रजातियों के बारे में जानने की कोशिश की। अध्ययन के निष्कर्ष में वैज्ञानिकों का कहना है कि हम आधुनिकता के दौर में इतने लापरवाह होते जा रहे हैं कि अपनी ही प्राकृतिक संपदाओं का नुकसान पहुंचाने में कोई परहेज नहीं है। हमें इन बातों का ध्यान रखना होगा कि पृथ्वी पर हर जीव का पर्यावरण में विशेष योगदान है। कई सारी जलीय जीव की प्रजातियां लुप्त हो गई हैं, कई लुप्त होने की कगार पर है। इस दोहन को अगर समय रहते नहीं रोका गया तो मानव समाज के लिए आने वाला समय काफी चुनौतीपूर्ण होता जाएगा।

अलर्ट-मुंह में होने वाले ऐसे बदलावों को न करें अनदेखा, डायबिटीज के हो सकते हैं संकेत

डायबिटीज, मौजूदा समय में सबसे तेजी से बढ़ने वाली बीमारियों में से एक है। एक दशक पहले जहां माना जाता था कि यह समस्या ज्यादातर उम्रदराज लोगों में होती है, वहीं अब बहुत ही कम उम्र में लोग मधुमेह के शिकार होते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो जीवनशैली संबंधी गड़बड़ी के कारण लोगों में मधुमेह का खतरा समय से पहले ही बढ़ता जा रहा है। यह एक ऐसी बीमारी है जो शरीर को धीरे-धीरे खोखला बनाती जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक किसी भी स्थिति के निदान का

पहला चरण, उसके प्रमुख लक्षणों पर ध्यान देना है। चाहे वह सामान्य सर्दी हो या फ्लू, हृदय रोग या मधुमेह, शरीर में दिखने वाले लक्षणों के आधार पर समस्या के बारे में आसानी से पता लगाया जा सकता है।डॉक्टर बताते हैं, डायबिटीज की समस्या का भी पता लगाना काफी आसान है। डायबिटीज के रोगियों को मुंह में कुछ ऐसे बदलाव नजर आ सकते हैं, जिसके आधार पर आसानी से इस समस्या के बारे में जाना जा सकता है। सबसे खास बात यह है कि यदि शुरुआती समय में ही डायबिटीज का पता चल जाए तो इसका इलाज भी आसान होता है। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि मुंह में किन बदलावों के आधार पर डायबिटीज की समस्या का पता लगाया जा सकता है? बार-बार मुंह सूखने की दिक्कतयदि आपको भी बार-बार मुंह सूखने की दिक्कत हो रही है तो सावधान हो जाइए। असल में ब्लड शुगर का स्तर मुंह में लार के उत्पादन को प्रभावित कर सकता है।

गर्भवती महिलाएं रोज करें ये तीन योगासन, सेहत रहेगी अच्छी

गर्भावस्था में हर महिला को कई नए अनुभवों से गुजरना पड़ता है। गर्भवस्थ शिशु के समुचित विकास के लिए भी मां का स्वस्थ रहना बहुत आवश्यक होता है। गर्भावस्था की अवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही मां के साथ गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए भी नुकसानदायक हो सकती है। इस अवस्था में शरीर का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस समय महिलाओं को शारीरिक के साथ मानसिक तौर पर भी सेहतमंद रहना बहुत आवश्यक होता है। गर्भवती महिलाओं को चिकित्सक खान-पान का ध्यान रखने के साथ ही हल्का व्यायाम करने की सलाह भी देते हैं। इस समय शरीर में कई

तरह के हार्मोनल परिवर्तन भी होते हैं।

जिससे कई बार मन अशांत या शरीर में असहजता का अनुभव होता है। इसके लिए गर्भवती महिलाओं को प्रतिदिन कुछ आसान से योगासन करने चाहिए। ये आसन गर्भवती महिलाओं की शारीरिक सेहत के साथ मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में बहुत फायदेमंद होते हैं। तो चलिए जानते हैं इस बारे में। शवासनइस आसन में पूरे शरीर को आराम मिलता है। इस आसन को करने के लिए एक समतल जगह पर दरी या योगा मैट बिछाकर आराम से पीठ के बल लेट जाएं। अपने दोनों हाथों को शरीर से कुछ दूरी पर रखें और अपने दोनों पैरों को भी फैला लें। शरीर को पूरी तरह से ढीला छोड़ दें। पूरी तरह सांसो पर ध्यान केंद्रित करते हुए आराम से धीरे-धीरे सांस लें। इससे आपको शारीरिक के साथ मानसिक रूप से भी आराम मिलता है। इस आसन को करने से तनाव से भी राहत मिलती है, इसलिए गर्भावस्था के दौरान होने वाले मूड स्विंग के लिए ये आसन फायदेमंद रहता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए सप्ताह की शुरुआत किसी शुभ समाचार से होने वाली है। आपके पराक्रम और साहस में वृद्धि होगी। किसी विशेष अनुबंध के तहत आपको संपत्ति सुख मिलने वाला है। राशि स्वामी मंगल का छठे स्थान में होना आपको स्वास्थ्य लाभ प्रदान करेगा। यदि बहुत दिनों से रोगों से परेशान हैं तो उससे मुक्ति मिलेगी।

वृषभ : पारिवारिक और खासकर दांपत्य जीवन में आपको सतर्क रहना है। राशि स्वामी शुक्र के छठे भाव में बैठने के कारण दांपत्य जीवन के लिए यह ठीक नहीं है। यदि किसी प्रेम संबंध या विवाहेत्तर संबंध में हैं तो कुछ दिनों के लिए दूरी बना लेना बेहतर रहेगा। करियर के लिहाज से सप्ताह ठीक है। उन्नति करेंगे।

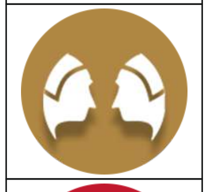

मिथुन : आपके लिए सप्ताह शानदार रहने वाला है। सोचे और अटके हुए सभी काम पूरे हो जाएंगे और आपको मानसिक सुख-शांति प्राप्त होगी। राशि स्वामी बुध के चतुर्थ सुख स्थान में होने का विशेष लाभ प्राप्त होगा। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत होगी और विशेषकर कारोबारियों को लाभ होगा। नौकरीपेशा के स्थानांतर का योग है।

कर्क : यह सप्ताह आपके लिए भाग्योदयकारी रहेगा। पुण्य कर्मो का उदय होगा और खोई प्रतिष्ठा-सम्मान पुनः प्राप्त हो जाएगा। आर्थिक स्थिति में जबर्दस्त तरीके से लाभ मिलने वाला है। कार्यो में तरक्की मिलेगी। उच्चाधिकारियों की विशेष कृपा प्राप्त होगी। पारिवारिक जीवन की बात करें तो मेल-मिलाप बढ़ेगा। रिश्तों में सुधार आएगा।

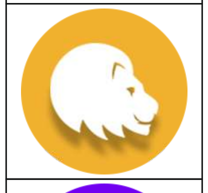

सिंह : राशि स्वामी सूर्य इस सप्ताह आपके द्वितीय स्थान में गोचर करेगा। वाणी का प्रभाव बढ़ेगा। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा सम्मान बढ़ेगा। आपके निर्णय को सर्वत्र सराहना मिलेगी। कार्य स्थल पर आप टीम लीडर हैं तो किसी बड़े प्रोजेक्ट का नेतृत्व करने को मिल सकता है। संपत्ति खरीदी-बिक्री से जुड़े कार्य करने वालों को विशेष लाभ मिलेगा।

कन्या : संपत्ति, स्वास्थ्य, संतान और करियर के लिए यह सप्ताह शानदार रहने वाला है। अनेक ऐसे कार्य होने वाले हैं जिनके लिए आप लंबे समय से प्रयासरत हैं। नई प्रॉपर्टी खरीदना चाहते हैं या पैसा निवेश करना चाहते हैं तो समय उत्तम है। संतान से जुड़े कार्य अच्छे होंगे, कोई विशेष सुखदायी समाचार मिलने वाला है। रोगों में कमी आएगी।

तुला : इस राशि के लिए सप्ताह नई चुनौतियों और संभावनाओं वाला रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की मिलेगी, खासकर सरकारी सेवा क्षेत्रों से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। नए व्यवसाय को प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है। खानपान से जुड़े कारोबारियों को लाभ मिलेगा। नौकरी बदलना चाहते हैं तो भी समय ठीक है।

वृश्चिक : इस राशि में केतु का गोचर चल रहा है और राशि स्वामी मंगल की एकादश भाव में उपस्थित के कारण सप्ताह आर्थिक दृष्टि से विशेष लाभकारी रहने वाला है। केतु के कारण आकस्मिक रूप से अनेक प्रकार के लाभ प्राप्त हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कोई बड़ा मंगलकारी कार्य पूर्ण होगा। अपने नए घर में प्रवेश कर सकते हैं।

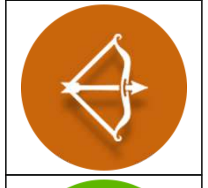

धनु : विशेष लाभ देने वाला रहेगा यह सप्ताह। सारे अभाव दूर हो जाएंगे। राशि स्वामी बृहस्पति की तृतीय भाव में उपस्थिति पराक्रम के साथ आपके निर्णय क्षमता को भी मजबूत करेगी। लंबे समय से यदि कोई निर्णय नहीं ले पा रहे हैं तो अब उसमें स्पष्टता आएगी। संयम और धैर्य का शुभ फल मिलने वाला है। यात्राओं से पैसा अर्जित करेंगे।

मकर : राशि में शनि की उपस्थिति और चतुर्थ सुख स्थान में मंगल की राशि होने के कारण आपके सुखों में वृद्धि होगी। संपत्ति और वाहन सुख मिलने वाला है। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी लेकिन इससे उनकी तरक्की का रास्ता खुलेगा। कारोबारियों को विस्तार का अवसर मिलेगा। कंस्ट्रक्शन से जुड़े लोगों को बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है।

कुंभ : सप्ताह सुख-चैन से बीतने वाला है। कोई बड़ी घटना-दुर्घटना नहीं होने वाली है। आर्थिक रूप से तरक्की प्राप्त करेंगे। पुराना कर्ज चुकाने की स्थिति बनेगी। अपने कार्यो से दूसरों को प्रभावित करेंगे। आप एक अच्छे टीम लीडर के रूप में उभरेंगे। संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद निर्णय की स्थिति में आ जाएगा।

मीन : इस राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति के लिए सप्ताह शानदार रहने वाला है। कर्ज मुक्ति होगी। कारोबार को विस्तार देने में कामयाब होंगे। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। पुराने अटके हुए कार्य पूरे हो जाएंगे। माता-पिता का सहयोग प्राप्त रहेगा। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा।

चुटकुले

सोनू- सबसे शुद्ध सामान अपने कस्टमर को कौन बेचता है?
मोनू - बिजली विभाग।
सोनू - वो कैसे?
मोनू - हाथ लगाकर देखो, पता चल जाएगा।

शराबी झूमता हुआ घर की ओर जा रहा था कि अचानक रुक गया...
उसने देखा उसके पीछे रिंकी और पिंकी किसी बात पर आपस में झगड़ रही थी।
रिंकी - भगवान करे तेरी शादी किसी शराबी से हो जाए।
पिंकी - नहीं, भगवान करे तेरी शादी हो जाए।
शराबी बोला - तो मैं रुकूं या जाऊं?

यूपी-बोर्ड की 10वीं और 12वीं की इंप्रूवमेंट परीक्षाएं शुरू, कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से हो रहा पालन

यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की इंप्रूवमेंट परीक्षाएं आज से शुरू हो रही हैं। जिले में नौ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां शुक्रवार देर शाम तक तैयारियां चलती रही। कहीं डेस्क स्लिप लगाए जा रहे थे तो कहीं बारिश की वजह से निदेशालय में बने कंट्रोल रूम से कटे केंद्रों की गड़बड़ियां दूर की जा रहीं थीं।वहीं, शनिवार को अभ्यर्थियों को कोरोना प्रोटोकॉल को सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है। स्कूलों में सैनिटाइजर का इंतजाम किया गया था और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने पर भी शिक्षक ध्यान दे रहे थे।इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए जिले से 2,895 छात्रों ने पंजीकरण कराया है। इनमें हाईस्कूल के 1,719 और इंटर के 1,176 छात्र शामिल हैं। सभी केंद्रों पर परीक्षार्थियों के बैठने के लिए डेस्क स्लिप लगाई गई। कोविड प्रोटोकॉल के तहत सीटिंग अरेंजमेंट किया गया है।इसके अलावा परीक्षा कक्षों में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी सुचारु किया गया है। वहीं, भारी बारिश की वजह से राजकीय जुबली इंटर कॉलेज में तार टूटने से कनेक्टिविटी गायब हो गई थी, जिसे देर रात तक दुरुस्त करने का काम चलता रहा।

नहीं थमा बारिश से तबाही का सिलसिला-छप्पर का मकान ढहने से मां की मौत, बेटी घायल

दो दिन हुई तेज बारिश रुकने के बाद भी तबाही का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार रात मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के पेमापुर गांव में छप्पर का मकान ढहने से मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। ग्रामीणों ने आनन-फानन में दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने मां को मृत घोषित कर दिया जबकि बेटी की हालत नाजुक बनी हुई है।गांव निवासी दिलीप कुमार शुक्रवार रात अपनी पत्नी कमला (35) देवी व दो बेटियों आयुषी (13) व मोनी के साथ छप्पर के मकान में सोया हुआ था। मकान के चारों तरफ पानी होने से दीवार में काफी नमी हो गई थी। रात करीब एक बजे छप्पर की दीवार भर-भराकर ढह गई।चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने सभी घायलों को छप्पर के नीचे से निकाला। ग्राम प्रधान ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सक ने कमला देवी को मृत घोषित कर दिया। आयुषी की हालत नाजुक बनी हुई है। इस हादसे में दिलीप को मामूली चोटें आई हैं। वहीं, मोनी बाल-बाल बच गई है।

शिमला-विदेशी सेब के पौधे बेचने वाली तीन नर्सरियों पर पाबंदी

विदेशी सेब के पौधे बेचने वाली तीन नर्सरियों पर विभाग ने पाबंदी लगा दी है। उद्यान विभाग ने सेब के पौधे आयात करने के सर्टिफिकेट रद्द कर दिए हैं। ये पौधे विदेशों से एक साल तक क्वारंटीन नहीं किए थे और गलत तरीके से बागवानों को बेचे जा रहे थे। मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्पलाइन 1100 में शिकायत के बाद विभाग हरकत में आया है। सोशल मीडिया पर सेब के पौधों का प्रचार करने वालों पर नकेल कसी है। हिमाचल सरकार नर्सरी एक्ट 2015 के तहत कार्रवाई की है। बागवानी विभाग के निदेशक जेपी शर्मा ने कहा कि विदेशों से आयातित सेब के पौधे बिना क्वारंटीन किए बागवानों को बेचे जा रहे थे। इससे बगीचों में वायरस आने का खतरा रहता है। अधिकारियों ने मौके पर जाकर जांच की तो पता चला की नियमों के विपरीत जाकर सेब के पौधे बेचे जा रहे थे। इसके बाद विभाग ने इन नर्सरियों पर रोक लगा दी है और उनके विदेशों से सेब के पौधे आयात करने के लिए जारी सर्टिफिकेट भी रद्द कर दिए हैं।

कोरोना नियमों के उल्लंघन को लेकर बंगला साहिब गुरुद्वारा को बंद करने का आदेश

चाणक्यपुरी जिला प्रशासन ने कोविड-19 मानदंडों के कथित उल्लंघन को लेकर बंगला साहिब गुरुद्वारा को बंद करने का आदेश दिया है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।चाणक्यपुरी एसडीएम ने 16 सितंबर को यह आदेश जारी किया था। आदेश में कहा गया है कि कार्यकारी मजिस्ट्रेट द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में पाया गया कि बंगला साहिब गुरुद्वारा के प्रबंधन ने डीडीएमए के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए गुरुद्वारे के अंदर आगंतुकों को प्रार्थनाओं की अनुमति दी।गुरुद्वारा को श्रद्धालुओं के लिए बंद किया जा रहा है। जब तक डीडीएमए श्रद्धालुओं को आने की अनुमति का आदेश नहीं देता है तब तक गुरुद्वारा बंद रहेगा।

जंगपुरा में बनेगा दिल्ली का पहला पेट पार्क, दक्षिणी निगम जल्द देगा सौगात

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दक्षिणी नगर निगम पहली बार पालतू जानवरों के मालिकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराने जा रहा है। इसके तहत जंगपुरा में एक एकड़ में पहला पेट पार्क बनाया जाएगा। यदि कोई परिवार एक दिन के लिए कहीं बाहर जाना चाहता है और पालतू जानवर की देखभाल के लिए कोई नहीं है तो वह बेफिक्र होकर पेट पार्क में उसे छोड़ सकेगा, जहां निगम की ओर से उसे प्यार और लाड़-दुलार के साथ रहने, खाने, खेलने, तैराकी, चिकित्सा और ट्रिक्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।उद्यान विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में दक्षिणी निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने बताया कि जंगपुरा में मार्च-2022 तक यह पार्क बनकर तैयार हो जाएगा। इसे बनाने के लिए जंगपुरा में दो जगह देखी गई हैं। पार्क में कई पालतू जानवरों के लिए अनुकूल सुविधाएं और गतिविधियां विकसित की जाएंगी। एसडीएमसी के बागवानी निदेशक आलोक सिंह के मुताबिक, इस तरह की सुविधा विकसित करने की अवधारणा बंगलूरू और ग्रेटर हैदराबाद में डॉग पार्क से ली गई है।

दिल्ली हज हाउस विवाद-360 गांवों की खाप पंचायत ने कहा- हिंदू बहुल क्षेत्र में हज हाउस स्वीकार नहीं , वक्फ बोर्ड बोला- हज हाउस के साथ सरकार कांवड़ हाउस भी बनाए

दिल्ली में द्वारका के भर्तला गांव में हज हाउस के लिए अलॉट की गई जमीन के विरोध में 360 गांव की खाप पंचायतें उतर आई हैं। खाप पंचायत ने साफ कर दिया है कि हिंदू आबादी के बीच हज हाउस स्वीकार नहीं होगा। खाप पंचायत की मांग को जायज ठहराते हुए दिल्ली भाजपा भी इनके समर्थन में आ गई है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने खाप पंचायत की तरफ से इस पूरे मामले को लेकर आवास एवं शहरी मामलों के केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को ज्ञापन सौंपा है।

उधर, वक्फ बोर्ड ने इसे सियासी एजेंडा करार दिया है। इतना ही नहीं दिल्ली वक्फ बोर्ड के सदस्य हिमाल अख्तर का कहना है कि भले ही खाप पंचायत को हज हाउस स्वीकार न हो, लेकिन हमारे लिए हज में जाने वाले हाजी और कांवड़ उठाने वाले बम भोले एक समान हैं। हम तो कहते हैं कि जगह-जगह कांवड़ हाउस भी बनने चाहिए।

खाप पंचायत में शामिल और 28 गांवों की खाप पंचायत के मुखिया राकेश नंबरदार ने बताया- 'हमने अगस्त में आसपास के सभी गांवों की एक पंचायत की थी। इसमें 10,000 लोग इकट्ठे हुए थे। हमने उस वक्त भी यह मांग रखी थी कि हज हाउस के लिए अलॉट की गई जमीन को रद्द किया जाए, वरना बड़े स्तर पर विरोध के लिए सरकार तैयार रहे, लेकिन दिल्ली सरकार की तरफ से कोई एक्शन नहीं लिया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता हमारी मदद के लिए सामने आए। हमने इनके माध्यम से केंद्र तक अपनी गुहार लगाई है।'

केंद्रीय मंत्री ने क्या कहा?

केंद्रीय मंत्री ने हरदीप सिंह पुरी ने ज्ञापन मिलने की बात तो स्वीकार की है, लेकिन इस मुद्दे पर फिलहाल कुछ बोलने से मना कर दिया। हालांकि राकेश नंबरदार ने बताया, 'केंद्रीय मंत्री ने हमारी मदद करने का भरोसा दिया है।'

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने क्या कहा?

उधर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा, 'जमीन का अलॉटमेंट बिल्कुल भी उचित तरह से नहीं हुआ है, हिंदू आबादी के बीच में हज हाउस बनाने का कोई तुक नहीं।' उन्होंने कहा, हमने ज्ञापन सौंप दिया है। हमें भरोसा है कि केंद्रीय मंत्री दिल्ली सरकार के इस अनुचित फैसले के खिलाफ जरूर कुछ ठोस कदम उठाएंगे।वक्फ बोर्ड ने कहा- सियासी लोगों के इशारों पर इसे धर्म का रंग दिया जा रहा है

दिल्ली वक्फ बोर्ड के सदस्य हिमाल अख्तर से हज हाउस की जमीन के विवाद पर बात की गई तो उन्होंने साफ कहा- 'चिंता हिंदू आबादी की नहीं, दरअसल यह चुनावी ध्रुवीकरण का तरीका है। हज हाउस के बनने में भला किसको एतराज होना चाहिए। यह तो व्यवस्था का मसला है। अगर हज हाउस नहीं होगा तो हज करने वाले यात्री जहां तहां रुकेंगे, पूरे राज्य में अव्यवस्था फैलेगी। मेरा तो मशविरा है कि कांवड़ यात्रा के दौरान होने वाली अव्यवस्था को भी कांवड़ हाउस बनाकर रोका जा सकता है।' वे कहते हैं- कांवड़ ले जाना आस्था का मसला है।

हमें कांवड़ रोकने की जगह उनकी व्यवस्था ऐसी करनी चाहिए कि आम आदमी का जीवन इससे बाधित न हो। हज हाउस भी धर्म से ज्यादा व्यवस्था का मसला है, लेकिन सियासी लोगों के इशारों पर इसे धर्म का रंग दिया जा रहा है।

आखिर क्या है मसला?

जुलाई, साल 2002 में दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी ने विकास कार्य के नाम पर द्वारका के भरथला गांव की जमीन का अधिग्रहण किया था, लेकिन वर्ष 2008 में पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने DDA की इसी जमीन को लेकर उस पर हज हाउस बनाने की घोषणा कर दी। ग्रामीणों के भारी विरोध की वजह से कांग्रेस की उस समय की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित घोषणा के बाद वहां एक ईंट भी नहीं रखवा पाईं थीं। वह जमीन जस की तस पड़ी है।

दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने हाल ही में हज हाउस निर्माण के लिए बजट अलॉट किया। जिस पर नाराजगी जताते हुए 'ऑल द्वारका रेजीडेंट फेडरेशन' ने 3 अगस्त 2021 को उपराज्यपाल को चिट्ठी लिखकर हज हाउस की जमीन के अलॉटमेंट को रद्द करने की मांग की।

लेफ्टिनेंट गवर्नर को लिखी चिट्ठी के मुताबिक द्वारका में इस हज हाउस के निर्माण से वहां सांप्रदायिक साम्प्रदायिक झगड़े बढ़ सकते हैं। इस चिट्ठी में साफ कहा गया है कि अगर हज हाउस बना तो वहां सांप्रदायिक हिंसा बढ़ सकती है। हिंदू आबादी के बीच हज हाउस बनाने का निर्णय बिल्कुल ठीक नहीं।

6 अगस्त को इस मसले को लेकर खाप पंचायत ने विरोध प्रदर्शन किया था। पंचायत ने भर्तला गांव की एक एकड़ जमीन पर हज भवन के निर्माण पर नाराजगी जताई थी। उस वक्त वहां VHP के लोग और भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता भी शामिल थे।

राम मंदिर-निर्माण के लिए 115 देशों से पहुंचा जल, रक्षा मंत्री बोले- जलाभिषेक में पूरी दुनिया दे योगदान

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए 115 देशों से पानी लाया गया है। शनिवार को इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि राम लला के जलाभिषेक के सभी देशों से जल आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषियों ने पूरे विश्व को अपना परिवार माना है। हमने दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश दिया है। इसलिए राम मंदिर निर्माण व जलाभिषके लिए विश्व के सभी देशों से जल आना चाहिए। बता दें, हाल ही में मीडिया में खबरें आई थीं कि राम मंदिर निर्माण के लिए 115 देशों से जल लाया जाएगा। इस जल को प्राप्त करने के बाद रक्षा मंत्री का यह बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह अभिवन सोच है। हर भारतवासी के लिए गौरव का विषय है। जाति-धर्म के आधार पर नहीं बांट सकते भारत को रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत कभी हिंसा का समर्थन नहीं करता। राम मंदिर का निर्माण तब शुरू हुआ जब सुप्रीम कोर्ट ने इस पर फैसला सुना दिया। यह सकारात्मक शुरुआत है। भारत को कभी जाति, धर्म या समुदाय के आधार पर नहीं बांटा जा सकता।

बंगाल की सियासत-बाबुल सुप्रियो टीएमसी में शामिल, कहा- अपने फैसले पर मुझे गर्व है

पश्चिम बंगाल में उपचुनाव से पहले भाजपा को करारा झटका लगा है। भाजपा के पूर्व मंत्री रहे बाबुल सुप्रियो ने तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मौजूदगी में बाबुल सुप्रियो टीएमसी में शामिल हो गए। जुलाई में बाबुल सुप्रियो ने अचानक ही भाजपा से इस्तीफा दे दिया था और राजनीति से संन्यास लेने का एलान कर दिया था। लेकिन करीब एक महीने बाद बाबुल सुप्रियो ने तृणमूल कांग्रेस की सदस्यता ले ली। बाबुल बोले- अपने फैसले पर है गर्वटीएमसी में शामिल होने के बाद बाबुल सुप्रियो ने प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा, जब मैंने कहा था कि मैं

राजनीति छोड़ रहा हूं, मैंने ये दिल से कहा था।

हालांकि, मैं महसूस करता हूं कि टीएमसी ने मुझ पर विश्वास दिखाया है, अब मेरे पास बड़ा मौका है। मेरे सभी दोस्तों ने कहा था कि राजनीति छोड़ने का मेरा फैसला गलत और भावावेश भरा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे अपना फैसला बदलने पर गर्व है। बंगाल की सेवा करने के लिए टीएमसी में आया हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं सोमवार को दीदी से मिलूंगा। मैं गर्मजोशी भरे स्वागत से अभिभूत हूं। भवानीपुर में ममता बनर्जी के लिए प्रचार करने के सवाल पर बाबुल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि दीदी को मेरे प्रचार की जरूरत है। अगर प्रचार के लिए कहा गया तो जरूर करूंगा। मैं जनता की सेवा करना चाहता हूं। बाबुल सुप्रियो ने कहा कि दीदी और अभिषेक ने मुझे बड़ा मौका दिया है। टीएमसी में शामिल होने के बाद अब आसनसोल में अपनी सीट पर बने रहने का कोई मतलब नहीं है। मैं आसनसोल की वजह से ही राजनीति में आया। जितना हो सके यहां के लोगों के लिए करूंगा। बाबुल सुप्रियो के पार्टी में शामिल की जानकारी टीएमसी की तरफ से बयान जारी कर दी गई। बयान में कहा गया- 'टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन की मौजूदगी में पूर्व केंद्रीय मंत्री और आसनसोल से मौजूदा सांसद बाबुल सुप्रियो टीएमसी में आ गए हैं। हम उनका पार्टी में स्वागत करते हैं।'

नए साल से दाखिल नहीं किया एक महीने का GST रिटर्न, तो होगी मुसीबत, जानिए क्या है नया नियम

नए साल यानी एक जनवरी से कंपनियों के लिए एक अहम नियम में बदलाव होने जा रहा है। संक्षिप्त रिटर्न और मासिक माल एवं सेवा कर (GST) के भुगतान में देरी करने वाली कंपनियों को आगे के महीनों के लिए जीएसटीआर-1 बिक्री रिटर्न फॉर्म दाखिल करने की अनुमति नहीं मिलेगी।ये होगा फायदाशुक्रवार को लखनऊ में हुई जीएसटी परिषद की 45वीं बैठक में अनुपालन को सुसंगत बनाने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। इन फैसलों में कंपनियों द्वारा रिफंड का दावा करने के लिए आधार सत्यापन को अनिवार्य किया जाना भी शामिल है। इन कदमों का सबसे बड़ा फायदा ये होगा कि इससे माल और सेवा कर (जीएसटी) की चोरी के कारण राजस्व रिसाव को रोकने में मदद मिलेगी।ये है मौजूदा नियमपरिषद ने अगले साल से केंद्रीय जीएसटी नियम के नियम 59 (6) में संशोधन करने का फैसला किया है। नए नियम के अनुसार, अगर कोई पंजीकृत व्यक्ति पिछले महीने के जीएसटीआर-3बी फॉर्म में रिटर्न दाखिल नहीं करता है, तो उसे जीएसटीआर-1 जमा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मौजूदा समय में यदि पंजीकृत व्यक्ति पिछले दो महीने के

जीएसटीआर-3बी फॉर्म में रिटर्न दाखिल नहीं करता, तब उसे जीएसटीआर-1 जमा करने की अनुमति नहीं होती है।क्या है जीएसटीआर-1 फॉर्म?कारोबारी हर महीने का जीएसटीआर-1 फॉर्म अगले महीने में 11 दिनों के भीतर दाखिल करता है। इसमें कारोबारी द्वारा की गई उत्पाद या सेवाओं की आपूर्ति का लेखा जोखा होता है। क्या है जीएसटीआर-3 फॉर्म?इसी तरह, हर महीने का जीएसटीआर-3बी फॉर्म उसके अगले महीने की 20-24 तारीख के बीच भरा जाता है। इसी फॉर्म में दी गई जानकारियों के तहत कारोबारी पर वास्तविक टैक्स या जीएसटी की गणना होती है। आधार सत्यापन भी जरूरीपरिषद ने जीएसटी पंजीकरण के आधार सत्यापन को भी अनिवार्य किया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) ने 21 अगस्त 2020 से जीएसटी पंजीकरण के लिए आधार प्रमाणीकरण को अधिसूचित किया था। अधिसूचना में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि कारोबारी आधार संख्या प्रदान नहीं करते हैं, तो व्यवसाय के स्थान के भौतिक सत्यापन के बाद ही जीएसटी पंजीकरण दिया जाएगा।आयकर अधिनियम के तहत फैसलाशुक्रवार को वित्त मंत्रालय ने अनुसूचित बैंक द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) के निवासी को किए गए ब्याज भुगतान पर स्रोत पर कर कटौती (TDS) से संबंधित आयकर अधिनियम, 1961 के नियमों में संशोधन किया है। केंद्र सरकार ने कहा है कि अधिनियम की धारा 194ए के तहत निम्नलिखित भुगतान पर कर की कटौती नहीं की जाएगी- किसी निर्दिष्ट क्षेत्र में रहने वाले अनुसूचित जनजाति के सदस्य को एक निर्दिष्ट क्षेत्र में स्थित अनुसूचित बैंक द्वारा किए गए प्रतिभूतियों पर ब्याज के अलावा ब्याज की प्रकृति में भुगतान अधिनियम की धारा 10 में संदर्भित है।

गहलोत सरकार ने बाल विवाह को भी दी मंजूरी? एक महीने में पंजीकरण के आदेश, विरोध शुरु

राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के कड़े विरोध के बीच राजस्थान विवाहों का अनिवार्य रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) विधेयक 2021 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इस विधेयक के पारित होने से अब राज्य में बाल विवाह के पंजीकरण की भी अनुमति मिल जाएगी। विधेयक में कहा गया है कि अगर शादी के समय लड़के की उम्र 21 साल से कम और लड़की की उम्र 18 साल से कम है, तो माता-पिता या अभिभावकों को 30 दिनों के भीतर इसकी जानकारी देनी होगी और पंजीकरण अधिकारी के पास रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इस विधेयक के पास होने पर भाजपा ने नाराजगी जताई है।

संसद की कार्यवाही के दौरान विधानसभा में मुख्य विपक्ष दल भाजपा ने सवाल उठाते हुए पूछा, "पंजीकरण की क्या आवश्यकता है और बिल का उद्देश्य क्या है। भाजपा विधायक अशोक लाहोटी ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या विधानसभा हमें सर्वसम्मति से बाल विवाह की अनुमति देती है? यह विधेयक विधानसभा के इतिहास में काला अध्याय लिखेगा।भाजपा ने बिल पर उठाए सवालवहीं, विधानसभा में विपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि कांग्रेस की ओर से पारित किया गया यह संशोधन विधेयक हिंदू मैरिज एक्ट के खिलाफ है। हिंदुओं में नाबालिग की शादी गैरकानूनी है, लेकिन कांग्रेस इस बात को समझने के लिए तैयार नहीं है।

आपके काम की खबर-आधार में करना है बदलाव? तो इस तरह फ्री में लें अपॉइंटमेंट

आधार कार्ड प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है। आधार कार्ड केवल एक दस्तावेज ही नहीं है, बल्कि पहचान पत्र है।

किसी भी वित्तीय लेनदेन और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आधार बेहद जरूरी है। आधार में न सिर्फ आपके पते की जानकारी होती है, बल्कि इसमें व्यक्ति की बायोमेट्रिक जानकारी भी होती है। आधार कार्ड जारी करने वाली संस्था भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) की ओर से कई रीजनल लैंग्वेज में आधार बनाने की सुविधा देती है। आप अंग्रेजी के अतिरिक्त उर्दू, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, हिंदी, बंगाली, गुजराती, उड़िया, कन्नड़, मलयालम और मराठी भाषा में आधार कार्ड बनवा सकते हैं। चाहे नया आधार कार्ड बनवाना हो या आधार में नाम, पता, जन्मतिथि, ई-मेल आईडी, जेंडर या बायोमेट्रिक अपडेट कराना हो। अब आपको घंटों तक लंबी लाइनों में लगने की जरूरत नहीं है। आधार जारी करने वाली संस्था यूआईडीएआई

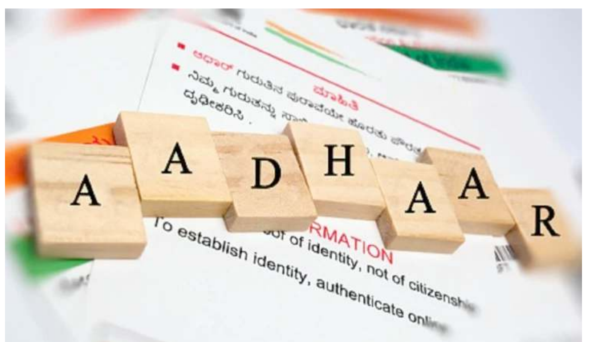

आपको फ्री में ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने की सुविधा देती है। यानी आप घर पर ही आधार सेवा केंद्रों पर आधार को अपडेट कराने के लिए अपॉइंटमेंट ले सकते हैं।ऐसे लें अपॉइंटमेंट ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने के लिए आपको सबसे पहले UIDIA की वेबसाइट https://uidai.gov.in/ पर जाना होगा। वेबसाइट पर जाकर आपको 'My Aadhaar' टेब पर क्लिक करना होगा, जिसके बाद आपको बुक एन अपॉइंटमेंट का एक विकल्प मिलेगा।इस पर जाने के बाद आपको सिटी लोकेशन का एक और विकल्प मिलेगा, जिसमें से आपको शहर का चयन करना होगा। शहर चुनने के बाद 'प्रोसेस्ड टू बुक एन अपॉइंटमेंट' पर क्लिक करें।अब आपके समक्ष एक नया पेज खुलेगा, जिसमें तीन ऑप्शन होंगे- न्यू आधार, आधार अपडेट और मैनेज अपॉइंटमेंट। अपनी आवश्यकता के अनुसार आप इनमें से कोई विकल्प चुन सकते हैं।उचित विकल्प चुनने के बाद आपको रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर, कैप्चा कोड और ओटीपी डालना होगा, जिसके बाद आपकी एप्लीकेशन वेरीफाई होगी। इस दौरान आपको अपॉइंटमेंट के लिए टाइम स्लॉट भी चुनना होगा। ये सब करने के बाद इसे सबमिट कर दें। बता दें कि बुकिंग प्रोसेस पूरी तरह ये मुफ्त है।

भारत विश्व कप से पहले खेलेगा दो वार्म-अप मैच, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी 'विराट' सेना

टी-20 विश्व कप शुरू होने से पहले भारतीय टीम दो अभ्यास मैच खेलेगी। इन दोनों मुकाबलों में टीम इंडिया के सामने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम होगी। भारत विश्व कप में अपना पहला मैच 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

आईसीसी टी-20 विश्व कप की शुरूआत होने में एक महीने का समय बाकी है। ऐसे में सभी टीमें खिताब जीतने के लिए जमकर तैयारी कर रही हैं। इस बार टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन संयुक्त

अरब अमीरात संघ और ओमान में किया है। पहले इसका आयोजन भारत में होना था लेकिन कोरोना संक्रमण की आशंका को देखते हुए बीसीसीआई ने इस यूएई और ओमान स्थानांतरित कर दिया। इस बहुत प्रतीक्षित टूर्नामेंट की शुरुआत 17 अक्टूबर से होगी। भारत 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से पहले दो वार्म-अप मैच खेलेगा। इग्लैंड के खिलाफ पहला वार्म-अप मैचविराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया टी-20 विश्व कप से पहले अभ्यास के तौर पर इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। दोनों टीमों के बीच यह मैच 18 अक्टूबर को खेला जएगा। भारत की विश्व कप टीम में ऐसे कई खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने काफी समय से टी-20 मैच नहीं खेला है। ऐसे में यह अभ्यास टीम इंडिया के लिए फायदेमंद होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा दूसरा वार्म-अप मैचइंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले मैच के बाद भारत अपना अगला अभ्यास ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलेगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 20 अक्टूबर को होगा। एक सूत्र ने समाचार एएनआई से बात करते हुए भारत के दो अभ्यास मैच खेले जाने की पुष्टि की। 8 सितंबर को हुई थी विश्व कप टीम की घोषणाबीसीसीआई चयनकर्ताओं ने बीते 8 सितंबर को टी-20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया का एलान किया था। भारतीय टीम में चार साल बाद आर अश्विन की वापसी हुई जो सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा। इसके अलावा कुछ सीनियर खिलाडियों शिखर धवन और युजवेंद्र चहल को 15 सदस्यीय टीम में मौका नहीं मिला। इसके अलावा भारतीय टीम में एमएस धोनी की वापसी मेंटोर के रूप में हुई। 24 अक्तूबर को भारत-पाकिस्तान मुकाबलाभारत अपने विश्व कप सफर की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ खेले जाने वाले मैच से करेगा। दोनों टीमों के दरम्यान यह मुकाबला 24 अक्तूबर को खेला जाएगा। इस मैच का क्रिकेट फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पाकिस्तान आज तक विश्व कप मैचों में भारत से जीत नहीं पाया है।

आरसीबी की कप्तानी भी छोड़ सकते हैं कोहली, बचपन के कोच ने दिया बड़ा बयान

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में टी-20 अंतरराष्ट्रीय से कप्तानी छोड़ने का एलान करके सबको चौंका दिया। 16 सितंबर को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी कि वह इस साल सुंयुक्त अरब अमीरात और ओमान में होने वाले टी-20 विश्व कप के बाद इस प्रारूप से भारत की कप्तानी छोड़ देंगे। विराट ने यह निर्णय वर्कलोड को देखते हुए लिया है। 32 वर्षीय विराट का कहना है कि वह अपनी बल्लेबाजी पर फोकस करना चाहते हैं। विराट छोड़ सकते हैं आरसीबी की कप्तानीअभी विराट कोहली के टी-20 इंटरनेशनल से कप्तानी छोड़े की चर्चा ठंडी नहीं हुई थी ऐसे में उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि एक समय के बाद विराट कोहली रॉयल

चैलेंजर्स बैंगलोर की भी कप्तानी छोड़ देंगे और बल्लेबाज के तौर पर अपनी आईपीएल टीम के लिए खेलेंगे। बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने दिया बयानएक चैनल से बात करते हुए विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने कहा, जहां तक कोहली द्वारा आईसीसी टूर्नामेंट न जीतने की बात है तो उनके रिकॉर्ड को देखकर मुझे नहीं लगता कि यह कोई बड़ा मसला है, वह भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं मैं तीनों प्रारूपों की बात कर कर रहा हूं, इसलिए आप एक कप्तान को इस बात से जज नहीं कर सकते कि उसने कितनी आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं। कोच ने आगे कहा, उनके रिकॉर्ड इस बात की गवाही देते हैं कि बतौर कप्तान उन्होंने देश के लिए क्या किया है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक आईपीएल की बात है तो वह एक समय बात आरसीबी की भी कप्तानी छोड़े देंगे।

वापसी-टी20 विश्वकप के बाद टीम इंडिया के हेड कोच बन सकते हैं अनिल कुंबले, बढ़ेंगी कोहली की मुश्किलें?

संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में खेले जाने वाले आईसीसी टी-20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया के हेड कोच रवि शास्त्री का कार्यकाल सामाप्त हो जाएगा। इसके बाद बीसीसीआई को नए कोच की तलाश है। ऐसा कहा जा रहा कि टीम इंडिया के पूर्व कोच रहे अनिल कुंबले की एक बार फिर वापसी हो सकती है। खबरों के मुताबिक कुंबले ने मुख्य कोच बनने के लिए अपनी सहमति प्रकट की है। समाचार एजेंसी एएनआई से एक सूत्र ने बात करते हुए कहा, यह बात किसी से छुपी नहीं है कि अनिल कुंबले ने मुख्य कोच के रूप में अपने पहले कार्यकाल में बेहतर काम किया था। अब यह पूर्व कप्तान कुंबले पर निर्भर करता है कि वह दूसरी बार टीम इंडिया के कोच बनेंगे या नहीं। 2017 में कुबले ने मुख्य कोच पद से दिया था इस्तीफाअनिल कुंबले ने साल 2017 में भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। उस समय ऐसी कई खबरें आई थीं कि कप्तान विराट और कोच कंबले के बीच अनबन है। जिसके बाद बीसीसीआई ने रवि शास्त्री को टीम इंडिया का कोच बनाया था। अब टी-20 विश्व कप 2021 के बाद रवि शास्त्री का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। कुंबले के कार्यकाल में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पहुंचा था भारत साल 2016 में अनिल कुंबले को भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। उनके रहते टीम इंडिया 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी। हालांकि फाइनल में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अगर कुंबले की बात की जाए तो वह मौजूदा समय में आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के मुख्य कोच हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि बीसीसीआई ने कुंबले से संपर्क करने से पहले श्रीलंका के महेला जयवर्धने से संपर्क किया था। कोहली टी-20 इंटरनेशनल की कप्तानी छोड़ने का कर चुके हैं एलानभारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में टी-20 अंतरराष्ट्रीय से कप्तानी छोड़ने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि वह संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप के बाद टी-20 की कप्तानी छोड़ देंगे। विराट और शास्त्री की जुगलबंदी जगजाहिर है। जब 2017 में शास्त्री को भारत का हेड

कोच बनाया गया तो उसका समर्थन विराट कोहली ने भी किया था। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद शास्त्री दे सकते हैं पद से इस्तीफाआईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के बाद रवि शास्त्री मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

ब्रिटेन-ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन लगवाने वाले सभी देश के नागरिकों को यात्रा की मंजूरी, लेकिन भारत लिस्ट से बाहर

ब्रिटेन अपने देश में आने और बाहर जाने वाले वैक्सीनेटेड यात्रियों के लिए नियमों में छूट देने की घोषणा की है। इसके तहत अब ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन लगवाने वाले सभी देश के नागरिकों को ब्रिटेन में प्रवेश की मंजूरी मिल गई है, लेकिन निराश करने वाली बात यह है कि भारत को अभी भी इस सूची से बाहर रखा गया है।

सबसे बड़ी बात यह है कि इस सूची में कनाडा का नाम भी शामिल है जहां कि भारत में निर्मित वैक्सीन की सप्लाई की गई है। ब्रिटिश सरकार के इस कदम से अब कई लोग नाराज दिख रहे हैं और सवाल उठा रहे हैं कि आखिर भारत के साथ भेद-भाव क्यों?जानिए आखिर भारत को क्यों बाहर रखा गयादरअसल, इंग्लैंड में जिन देशों को कोरोना नियमों से छूट दी गई हैं, उनमें वे देश शामिल हैं, जिनके यहां इस्तेमाल हो रही वैक्सीन को ब्रिटेन में भी मान्यता दी गई है। मगर भारत में इस्तेमाल हो रही कोविशील्ड को ब्रिटेन में मंजूरी नहीं दी गई है। बता दें कि भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को तैयार किया है। जिन यात्रियों को भारत सहित ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय यात्रा नियमों के तहत फुली वैक्सीनेटेड नहीं माना गया है, उन्हें अभी भी पुराने नियमों के तहत ही प्रवेश दिया जाएगा।भारत को इन मामलों में दी गई छूटबता दें कि भारत वर्तमान में ब्रिटेन की एम्बर सूची में है। इसके तहत अगर कोई भारतीय नागरिक ब्रिटेन में टीका लगवाता है तो उन्हें अनिवार्य पीसीआर परीक्षणों से गुजरने की आवश्यकता नहीं होगी। वहीं जिन यात्रियों को भारत सहित यूके के अंतर्राष्ट्रीय यात्रा नियमों के तहत टीकाकरण का प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं है, उन्हें अभी भी प्रस्थान से पूर्व पीसीआर परीक्षण करवाना होगा। और उनके दिए गए पते पर 10 दिनों का सेल्फ क्वारंटीन होना होगा। यूरोपीय संघ ने भी लगाई थी भारत पर रोकबता दें कि यूरोपीय संघ ने भी भारतीय वैक्सीन कोविशील्ड लगवाने वालों को ग्रीन पास देने से इनकार कर दिया था। बता दें कि यूरोपीय संघ की ओर से भारतीय वैक्सीन कोविशील्ड को मंजूरी नहीं दी गई थी,

जिससे इस वैक्सीन को लगवाने वालों को ग्रीन पास नहीं मिल रहा था। इस मामले को भारत सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया और चेतावनी दी थी कि अगर वह भारतीय टीकों को मान्यता नहीं देता तो जवाबी कार्रवाई में भारत यूरोप से आने वाले यात्रियों के लिए 14 दिन का क्वारंटीन अनिवार्य कर देगा। वहीं इस चेतावनी के बाद यूरोपीय संघ ने भारतीय यात्री को यूरोप के कुछ देशों में यात्रा की मंजूरी दे दी थी।इन देशों में कोविशील्ड को मिली थी मंजूरीकोविशील्ड को स्वीट्जरलैंड के अलावा ऑस्ट्रिया, जर्मनी, स्लोवेनिया, ग्रीस, आइसलैंड, आयरलैंड और स्पेन में भी मंजूरी मिल चुकी है। भारत ने समूह के 27 देशों से कहा था कि कोविशील्ड तथा कोवैक्सीन के टीके लगवा चुके भारतीयों को यूरोप की यात्रा करने की अनुमति देने पर वे अलग-अलग विचार करें।

खुलासा-भारत में पांच साल पहले पकड़ा गया था काबुल एयरपोर्ट का आत्मघाती हमलावर, आईएस-के से जुड़ी पत्रिका में दावा

इस्लामिक स्टेट खुरासान (ISIS-K) ने बड़ा खुलासा किया है कि पिछले महीने काबुल एयरपोर्ट पर हमला करने वाला आत्मघाती हमलावर को पांच साल पहले दिल्ली में गिरफ्तार किया गया था और उसे जेल में भेज दिया गया था और बाद में उसे अफगानिस्तान भेज दिया गया। आईएसआईएस-के ने अपनी पत्रिका के नए अंक में इसका दावा किया है। इस दावे के बाद अब कई सवाल खड़े होने

लगे हैं। अफगानिस्तान पर तालिबानी हुकूमत के बाद 26 अगस्त को काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर आत्मघाती हमला किया गया था। इस हमले में करीब 200 लोगों की मौत हो गई थी, इसमें 13 अमेरिकी सैनिक भी शामिल थे। हमले की जिम्मेदारी आईएसआईएस-के ने ली थी। आतंकी संगठन का आतंकी दिल्ली 2016 में दिल्ली में पकड़ा गया था। अब्दुर रहमान अल-लोगरी ने किया था आत्मघाती हमलाISIS-K ने दावा किया कि अब्दुर रहमान अल-लोगरी नाम के आत्मघाती हमलावर भारत में पांच साल पहले ही पकड़ा गया था, जब वह "कश्मीर का बदला लेने के लिए" भारत में हमला करने की तैयारी में था। दिल्ली पुलिस ने उसे धर दबोचा था। जेल में सजा काटने के बाद उसे फिर से अफगानिस्तान भेज दिया गया और अमेरिकी सेना की मदद से काबुल एयरपोर्ट से निकाले जा रहे लोगों के दौरान इस हमले को अंजाम दिया था।

चीन-अरबपति ने गंवाए दो लाख करोड़ रुपये, राष्ट्रपति जिनपिंग की अरबपतियों पर सख्ती का असर

चीनी अरबपति कॉलिंन हुआंग की संपत्ति में इस वर्ष करीब 1.99 लाख करोड़ रुपए की कमी आ चुकी है। यह गिरावट चीन के राष्ट्रपति द्वारा अपने देश के अमीरों-गरीबों के बीच संपत्ति का विभेद खत्म करने के लिए अरबपतियों पर की जा रही सख्ती का परिणाम कही जा रही है। चीन के सबसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पिनडुओडुओ (पीडीडी) इंकॉरपोरेशन के संस्थापक व मालिक हुआंग की संपत्ति में यह गिरावट विश्व की सबसे बड़ी गिरावट है।चीन ज्यादातर उन अरबपतियों पर सख्ती कर रहा है जिन्होंने अपनी संपत्ति इंटरनेट आधारित कंपनियों से बनाई।

जिनपिंग ने ‘सभी के लिए समृद्धि’ का नारा देकर अरबपतियों के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। इससे ज्यादा नुकसान पीडीडी को हुआ जिसके शेयरों इस वर्ष बड़ी गिरावट आई। 2015 में बनी इस कंपनी में हुआंग 28 फीसदी के हिस्सेदार हैं। पीडीडी पर सालाना 78.80 करोड़ लोग एक्टिव रहते हैं।परोपकारी बन रही अब कंपनीपीडीडी ने परोपकारी कामों व परियोजनाओं में योगदान बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसे भी चीन की सख्ती का परिणाम बताया जा रहा है। अगस्त 2021 में पीडीडी ने करीब 11,000 करोड़ रुपये चीन के कृषि क्षेत्र के विकास में देने की घोषणा की। पिछले साल भी उसने करीब

17,700 करोड़ रुपये विभिन्न परोपकारी संस्थाओं को दिए थे।तेजी से संपत्ति गंवाने वाले 10 में से 6 अरबपति चीनीइस वर्ष विश्व के जिन 10 अरबपतियों की संपत्ति सबसे तेजी से गिरी उनमें से छह चीन के हैं। इनमें बोतलबंद पानी बेचने वाली कंपनी नोंगफू स्प्रिंग के होंग शांशां ने 1.32 लाख करोड़ रुपये गंवाए तो टेंसेंट के पोनी मा ने 73.65 हजार करोड़ रुपये।

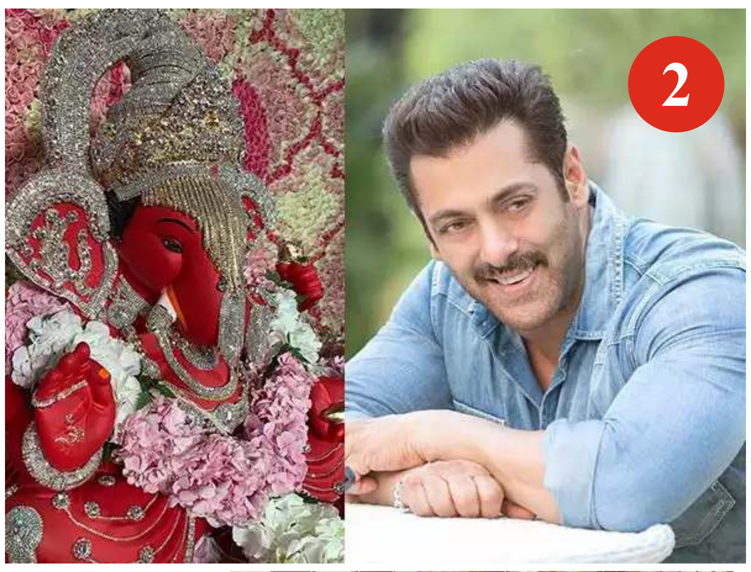

शिल्पा शेट्टी ने बहन शमिता को जिताने के लिए फैंस से की दरख्वास्त, कहा - तुम्हारे सफर पर गर्व है

बिग बॉस ओटीटी के फिनाले को शुरु होने में बस कुछ ही घंटे बचे हैं ऐसे में हर कोई ये जानने के लिए बेहद उत्सुक है की इस बार विजेता की ट्रॉफी कौन जीतेगा। शो में पांच फाइनलिस्ट हैं जिनमें शमिता शेट्टी, दिव्या अग्रवाल, प्रतीक सहजपाल, निशांत भट्ट और राकेश बापट शामिल हैं। इन पांचो सदस्यों में से एक ही सदस्य बिग बॉस ओटीटी की ट्रॉफी जीतकर ये खिताब अपने नाम करवाएगा और इसी के साथ वो सलमान खान के बिग बॉस 15 में हिस्सा लेगा।शिल्पा ने शमिता के लिए मांगे वोट्ससोशल मीडिया पर जहां हर कोई अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट्स को जिताने की पूरी कोशिश कर रहा है तो वहीं शिल्पा शेट्टी भी अपनी बहन की जीत के लिए लोगों से वोट मांग रही हैं।

शिल्पा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वो लिंक भी साझा किया जहां से प्रशंसक डायरेक्टली शमिता के लिए वोट्स कर सकते हैं। शिल्पा ने कैप्शन में लिखा, 'मेरी टुनकी टॉप 5 में है। मैं बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं। इस पूरे सफर में उन्होंने अपनी ईमानदारी और इज्जत दोनो कायम रखी है। जिस तरह से वो सामने उभरकर आई हैं उसे देखकर मैं बहुत अधिक खुश हूं। तुम मेरे लिए पहले से ही विजेता हो।उम्मीद करतीं हूं आप सब उन्हें बिग बॉस का विनर बनाएंगे। शमिता शेट्टी शुरुआत में हुईं थी ट्रोलशमिता शेट्टी ने बिग बॉस के घर में तब एंट्री ली थी जब राज कुंद्रा का मामला गरमाया हुआ था और खुद शिल्पा शेट्टी ने भी पर्दे से दूरी बनाई हुई थी। इस वजह से शमिता शेट्टी को काफी ट्रोल किया गया था। इसके साथ ही उनका दूसरी बार बिग बॉस के घर में आना लोगों को कुछ खास पसंद नही आया। उनके दोबारा एंट्री के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर कई सवाल खड़े किए। हालांकि वक्त के साथ वो लोगों की पसंद बन गईं।

शिल्पा शेट्टी के बयान पर शर्लिन चोपड़ा की प्रतिक्रिया, दीदी येड़ा बनकर पेड़ा खा रही है

शर्लिन चोपड़ा ने राज कुंद्रा पर शिल्पा शेट्टी के बयान पर जबरदस्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शिल्पा शेट्टी को लेकर कहा है कि दीदी येड़ा बनकर पेड़ा खा रही है। शर्लिन ने सोशल मीडिया पर कटाक्ष करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में शर्लिन डंबल उठाते हुए और हिंदी में बात करते हुए दिख रही हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दीदी का ये कहना है कि उन्हें अपने पति देव के नापाक हरकतों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। दीदी ऐसा करके येड़ा बनकर पेड़ा खा रही है। शर्लिन ने जुलाई में कहा था कि उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र पुलिस की सायबर सेल को राज कुंद्रा के बारे में बयान दिया था। शर्लिन चोपड़ा ने शिल्पा शेट्टी कुंद्रा को अपने वीडियो में दीदी के रूप में संबोधित किया है।

दरअसल, राज कुंद्रा के पोर्नोग्राफी केस में फंसने के बाद शिल्पा शेट्टी का कहना था कि वो अपने पति के बारे में नहीं जानती थीं।

शिल्पा ने पुलिस से कहा था कि उन्हें राज कुंद्रा की गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी नहीं है, क्योंकि वह बहुत व्यस्त थी। शिल्पा के बयान पर रिएक्ट करते हुए शर्लिन चोपड़ा ने कटाक्ष किया है। शर्लिन ने कहा, दीदी को कोई जानकारी नहीं थी, ऐसा हो सकता है? दीदी को अपने पति राज की चल-अचल संपत्ति के बारे में पता न हो, क्या यह संभव है? शर्लिन का कहना है कि दीदी का यह भी कहना है कि उन्हें पति की चल और अचल संपत्ति की भी जानकारी नहीं है। अब इस बात में कितनी सच्चाई है इसका अनुमान आप खुद ही लगा सकते हैं।

वैसे इसे क्या कहते हैं येड़ा बनकर पेड़ा खाना। शिल्पा ने मुंबई पुलिस को सूचित किया था कि वह अपने पति राज कुंद्रा की पोर्न ऐप या अन्य गतिविधियों के बारे में नहीं जानती,

क्योंकि वह अपने काम में बहुत व्यस्त थी। उन्होंने आगे पुलिस को बताया था कि राज ने अप्रैल 2015 के आसपास वियान इंडस्ट्रीज लिमिटेड को लॉन्च किया था और वह जुलाई 2020 तक बोर्ड में थी। आपको बता दें कि राज कुंद्रा पोर्नोग्राफी रैकेट मामले में हिरासत में है।

1. सोनू सूद के घर विराजमान गणपति बाप्पा
2. सलमान खान के घर विराजमान गणपति बाप्पा
3. माधुरी दीक्षित नेने के घर विराजमान गणपति बाप्पा
4. शिल्पा शेट्टी के घर विराजमान गणपति बाप्पा
5. सैफ अली खान के घर विराजमान गणपति बाप्पा
6. अनन्या चंकी पांडेय के घर विराजमान गणपति बाप्पा
7. तुषार जीतेन्द्र कपूर के घर विराजमान गणपति बाप्पा
8. श्रद्धा कपूर के घर विराजमान गणपति बाप्पा
9. तमन्ना भाटिया के घर विराजमान गणपति बाप्पा
10. गोविंदा आहूजा के घर विराजमान गणपति बाप्पा
11. सार्थक ग्राफ़िक्स के मालिक शिव पांडेय के घर विराजमान गणपति बाप्पा
12. मुंबई तरंग के पत्रकार दिनेश भाई वाढेर के घर विराजमान गणपति बाप्पा
13. मुंबई तरंग के मालिक मुद्रक प्रकाशक व संपादक दिलीप पटेल और पंकज जोबनपुत्र के घर विराजमान गणपति बाप्पा
14. नक्षत्र टाउनशिप सोसायटी डिंडोली सूरत में विराजमान गणपति बाप्पा

कैरियर गाइड-औद्योगिक (Industrial) डिजाइन

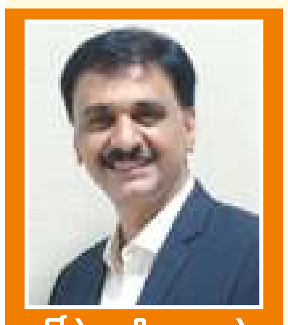

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

Product डिजाइन और Industrial डिजाइन समान हैं या नहीं, इस बारे में अक्सर बहुत भ्रम होता है। क्या उत्पाद डिजाइनर और औद्योगिक डिजाइनर समान काम करते हैं? या क्या वे अपने काम और नौकरी के दर्शन में भिन्न हैं?

लंबी कहानी संक्षेप में, उत्पाद डिजाइन औद्योगिक डिजाइन का एक हिस्सा है और इसके विपरीत। उत्पाद और औद्योगिक डिजाइन दोनों निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में एक दूसरे को ओवरलैप करते हैं।

Product डिजाइन में आविष्कार करने की प्रक्रिया शामिल है जो उपयोगकर्ता-केंद्रित डिज़ाइन विकसित करके अपने उपयोगकर्ताओं के लिए मूर्त हैं जिन्हें आगे के विकास के विचार के लिए अवधारणा और मूल्यांकन किया जाता है। Product डिजाइनर की भूमिका उन उत्पादों को डिजाइन करना है जो कला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक समामेलन हैं, जबकि Industrial डिजाइन इस कलात्मक रूप और उत्पाद डिजाइन की उपयोगिता को एक साथ लाता है और इसे एर्गोनोमिक पहलुओं के साथ या उद्योग में नंबर एक उत्पादों की मांग कभी भी प्रवाह से बाहर नहीं जाती है, इससे उद्योगों में जबरदस्त अवसर मिलते हैं, और Product/Industrial डिजाइनरों की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती रहती है। Product /Industrial डिजाइनरों को हमेशा विकसित उद्योगों की विशाल मांगों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

जोड़ता है जो विकास और बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए विचार उत्पन्न करते हैं। Industrial डिजाइन अंतिम Product के लिए मूल्य वर्धित व्यावसायिक पहलू की संचार और मुख्य सेवाओं को भी जोड़ती है।

Product/Industrial विनिर्माण उद्योगों के क्षेत्र में अवसरों का एक पूल प्रदान करता है। उपभोक्ता दुनिया और अर्थव्यवस्था चलाते हैं। हमेशा कुछ नया होने वाला है Product/Industrial डिजाइनरों के पास नए विचार और कौशल होते हैं जो उन्हें ऐसे अभिनव उत्पाद और डिजाइन बनाने में मदद करते हैं जो दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के उपयोगकर्ताओं की बढ़ती मांगों को पूरा करने में कुशलता से काम करते हैं। अधिक जानने के लिए आप वेबसाइट tsapmumbai.in पर जा सकते हैं।

भायंदर ईस्ट मे केबिन क्रॉस रोड में नर्मदा सागर को ओ हाउसिंग सोसाइटी में योगी योगी लेडीस टेलर के ओनर हंसा बेन दीपकभाई परमार का 50 वा जन्मदिन परिवार और मित्रोंगणों के साथ मिलकर धूमधाम से मनाया गया

कोरोना के कारण जेल से छूटा, लाखों की चोरी की, फिर जेल पहुंचा

मुंबई, यूपी एसटीएफ ने मुंबई पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन में बुधवार को इस्माइल शेख नामक आरोपी को सोनभद्र से गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के सीनियर इंस्पेक्टर अरविंद सिंह की टीम ने आरोपी के पास से 2 लाख 80 हजार रुपये नकद व कई लाख रुपये कीमत के आभूषण जब्त किए हैं। 6 अगस्त, 2021 को सांताक्रूज में विजय चंदू लाल साहा के घर से कई लाख की नकदी व सोने के जेवराज चोरी हो गए थे। इस संबंध में वाकोला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई थी। आरोपी उस केस में वॉन्टेड था। आरोपी ने बताया कि वह दस साल से मुंबई में विभिन्न इलाकों में चोरी करता आया है। इस संबंध में वह कई बार जेल जा चुका है। किसी भी तरह के लॉक खोलने में उसे महारत हासिल है। पैरोल पर जेल से छूटा था आरोपी कुछ महीने पहले वह कोविड-19 की वजह से पैरोल पर जेल से छूटा और फिर उसने कई चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इनमें सांताक्रूज वाला केस भी शामिल है। उसके बाद वह चोरी का सामान लेकर सोनभद्र गया। वहां किराए का लिया, वहां आभूषण छिपाया। वहां से वह अपना ठिकाना बदलने जा रहा था, तभी गिरफ्तार कर लिया गया।

मुम्बई में डॉ कृष्णा चौहान द्वारा "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का आयोजन करने जा रहे हैं

राष्ट्रपिता गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक प्रयास है यह अवार्ड फंक्शन ; डॉ कृष्णा चौहान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती देश भर में हर साल 2 अक्तूबर को बहुत जोश के साथ मनाई जाती है। बापू जी के जन्मदिन के मौके पर भारतवर्ष में भिन्न भिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस साल इस विशेष अवसर पर देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में डॉ कृष्णा चौहान "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का आयोजन करने जा रहे हैं। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (रजिस्टर्ड) प्रस्तुत महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" 2 अक्टूबर को मेयर हॉल, अंधेरी वेस्ट मुम्बई में होने जा रहा है। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (रजिस्टर्ड) के फाउंडर डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान ने बताया कि महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021 गांधी जी को श्रद्धांजलि पेश करने का एक प्रयास है। इस अवार्ड से समाज के ऐसे लोगों को पुरूस्कृत किया जाएगा जिन्होंने आम अवाम की भलाई, देश के विकास और समाज के हित के लिए काम किया है, अहम योगदान दिया है।आपको बता दें कि बापू जी का पूरा नाम मोहन दास करमचंद गांधी था। अहिंसा के बलबूते पर उन्होंने देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी दिलवाई थी। देश की स्वतंत्रता के लिए गांधी जी कई बार जेल भी गए थे। उनका जन्म दो अक्तूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उन्होंने देश को आजाद करवाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी और एक मिसाल पेश की। आपको बता दें कि बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान ने मेयर हॉल जूहू, मुम्बई में हाल ही में लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड २०२१ भव्य पैमाने पर आयोजित किया था। इस अवार्ड फंक्शन में बहुत सारी सेलेब्रिटीज़ ने शिरकत की।

इस पुरस्कार समारोह में दादा साहेब फालके के ग्रैंडसन चंद्रशेखर पुसाल्कर भी चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद थे। साथ ही मशहूर संगीतकार अनु मलिक, पद्मश्री अनूप जलोटा, गजेंद्र चौहान, मुकेश ऋषि, एक्टर सिद्धार्थ निगम, अरुण बख्शी, अनिल नागरथ, एक्ट्रेस रागिनी द्विवेदी, नीलम पांडे, दीप्ति तिवारी, गीतकार सुधाकर शर्मा, निर्देशक आलोकनाथ दीक्षित, निर्देशक दिनकर कपूर, ब्राइट आउटडोर के सीएमडी डॉ योगेश लखानी को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवार्ड फंक्शन के स्पेशल गेस्ट थे साउथ सिनेमा के मशहूर एक्टर सुमन तलवार। इंटरनेशनल सेलेब्रिटी एंकर सिमरन आहूजा ने इस अवार्ड शो को होस्ट किया जबकि इंटरनेशनल परफॉर्मर शीरीन फरीद, जेबा काजी की स्टेज परफॉर्मेंस ने सबका दिल जीत लिया। अवार्ड फंक्शन के बाद भी कुछ हस्तियों को सम्मानित किया गया उनमें तनीषा मुखर्जी, भरत गोराडिया, डॉ योगेश लखानी, हिमांशु झुनझुनवाला का नाम उल्लेखनीय है।कृष्णा चौहान की ओर से दिसंबर २०२१ को बोलीवुड लीजेंड अवार्ड २०२१ का आयोजन भी किया जाएगा।बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं।

अनिल देशमुख के घर इनकम टैक्स रेड! पहले भी हुई है छापेमारी

मुंबई, महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के नागपुर स्थित घर समेत कई ठिकानों पर शुक्रवार की सुबह से इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी चल रही है। देशमुख की मुश्किलें फिलहाल कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक तरफ जहां ईडी और सीबीआई पहले से उनकी जांच कर रही थी। वहीं उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया है। ताकि वो देश छोड़कर भाग ना सकें। ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए कई समन भेजे लेकिन वो आज तक ईडी के सामने नहीं गए हैं। शुक्रवार सुबह 11.30 आयकर विभाग के अधिकारी देशमुख के घर पहुंचे। देशमुख के नागपुर, मुंबई और कॉलेज में यह छापेमारी चल रही है। फिलहाल अनिल देशमुख नागपुर में नहीं हैं। इसके पहले दो बार ईडी और सीबीआई ने छापेमारी की थी। आइए आपको बताते हैं कि आखिर कब कब हुई देशमुख के घर रेड? पहली रेड-

25 मई 2021 को सबसे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल देशमुख के घर पर रेड डाली थी। नागपुर के शंकर नगर, छावनी इलाका और जाफर नगर के रेड डाली गई थी। जिसके बाद शिवाजी नगर के के हरे कृष्णा अपार्टमेंट में छापा मारा गया था। यह छापेमारी मुख्य रूप से सागर भटेवार से संबंधित जगहों पर की गई थी। सागर को अनिल देशमुख का करीबी माना जाता है। दूसरी रेड- ठीक एक महीने बाद 25 जून को ईडी ने अनिल देशमुख से संबंधित आठ जगहों पर छापेमारी की थी। देशमुख के वर्ली स्थित आवास, ज्ञानेश्वरी बंगला, और एक अन्य कार्यालय पर रेड डाली गई थी। जिसके बाद उनके सेक्रेटरी संजीव पलांडे, कुंदन शिंदे से संबंधित जगहों पर रेड डाली गई थी। इसी कार्रवाई में पलांडे और शिंदे को अरेस्ट किया गया था। इस कार्रवाई के दौरान देशमुख का बयान भी लिया गया था। तीसरी कार्रवाई- 2 जुलाई के दिन ईडी ने तीसरी बार ऐक्शन लिया था और देशमुख को समन देने के लिए ईडी के अधिकारी उनके घर गए थे। हालांकि उस दिन देहमुख उन्हें मिले नहीं थे।

दिल्ली के आंतकी मॉड्यूल के तार मुंबई तक

मुंबई, मुम्बई के नागपाड़ा इलाके से जाकिर नाम के एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। बताया जा रहा है कि इस संदिग्ध के तार दिल्ली में गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकियों से जुड़े हैं। पुलिस ने जान मोहम्मद से पूछताछ के बाद जाकिर को हिरासत में लिया है। मुम्बई क्राइम ब्रांच और ATS ने जॉइंट आपरेशन के दौरान जाकिर को हिरासत में लिया। यह ऑपरेशन शनिवार को तड़के किया गया। जानकारी के मुताबिक दिल्ली स्पेशल सेल ने जान मोहमद से पूछताछ के बाद महाराष्ट्र ATS को इनपुट दिया था। आधी रात घर से दबोचा जाकिर के बारे में इनपुट मिलने के बाद टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। जाकिर मुम्बई के जोगेश्वरी इलाके का रहने वाला है। उसे आधी रात को उसके ही घर से दबोच लिया गया। जान मोहम्मद का हैंडलर था जाकिर जाकिर का पूरा नाम जाकिर हुसैन शेख है। बताया जा रहा है कि वह मुम्बई के जान मोहम्मद का हैंडलर था। वह लगातार आईएसआई और अंडरवर्ल्ड के संपर्क में रहता था। जाकिर ने दाउद के भाई अनीस इब्राहिम के कहने पर जान मोहम्मद को धमाकों की साज़िश में शामिल किया था।

अंडरवर्ल्ड के स्पीलर सेल की तरह कर रहा था काम ज़ाकिर लंबे समय अंडरवर्ल्ड के स्लीपर सेल की तरह काम कर रहा था और जान मोहम्मद को लॉजिस्टिक सपोर्ट दे रहा था। जाकिर के ही कहने पर जान मोहम्मद दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। जाकिर की गिरफ्तारी अहम, मिलेंगे आगे के लिंक बताया जा रहा है कि संदिग्ध आतंकी ज़ाकिर ने ही जान मोहम्मद शेख़ को हथियार और विस्फोटकों की डिलीवरी लेने को कहा था। ज़ाकिर की हिरासत काफ़ी अहम है, क्योंकि इसके पास से आगे के लिंक मिल सकते हैं। अब इस बात की जांच की जा रही है कि आख़िर ज़ाकिर किसके आदेशों को मान रहा था और किसके आदेश पर जान मोहम्मद शेख़ को हथियार और विस्फोट की डिलीवरी लेने को बोल रहा था।

अलग-अलग याचिकाओं से केंद्रीय मंत्री राणे को रद्द करवाने होंगे 6 मुकदमें, जानिए बॉम्बे HC ने क्या कहा

मुंबई, केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने पिछले महीने जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को थप्पड़ मारने की बात कह दी थी। इसके बाद पूरे राज्य में उनके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज किए गए थे। राणे को करीब 12 घंटे तक पुलिस हिरासत में रहना पड़ा था। अब केंद्रीय मंत्री ने बॉम्बे हाई कोर्ट से महाड, नासिक, पुणे, ठाणे, जलगांव और अहमदनगर में अपने खिलाफ दर्ज मुकदमों को रद्द करने का अनुरोध किया है। जिस पर शुक्रवार को अदालत ने निर्देश दिया कि वह इसके लिए अलग-अलग याचिकाएं दायर करें। न्यायमूर्ति एसएस शिंदे और न्यायमूर्ति एनजे जामदार की खंडपीठ ने शुक्रवार को कहा कि बेहतर होगा कि प्रत्येक एफआईआर के लिए अलग-अलग याचिका दायर की जाए। अदालत ने कहा, 'एफआईआर अलग-अलग थानों की हैं। प्रत्येक एफआईआर को चुनौती अलग-अलग याचिकाओं में दी जाए। इससे अभियोजन पक्ष के लिए भी प्रत्येक थाने से निर्देश लेना आसान होगा।' राणे के वकील अशोक मुंदरगी और वकील अनिकेत निकम ने सहमति जताते हुए कहा कि वे अलग-अलग याचिकाएं दायर करेंगे। साथ ही उन्होंने सभी मामलों में अंतरिम संरक्षण प्रदान करने का अनुरोध किया। मुंदरगी ने कहा, 'अभियोजन पक्ष ने पहले कहा था कि वे नासिक साइबर पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर में राणे के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेंगे। अन्य मामलों में भी इसी तरह की सुरक्षा दी जानी चाहिए।' अदालत ने कहा कि वह पहले याचिकाओं पर सुनवाई करेगी और फिर फैसला लेगी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 30 सितंबर तय की है।

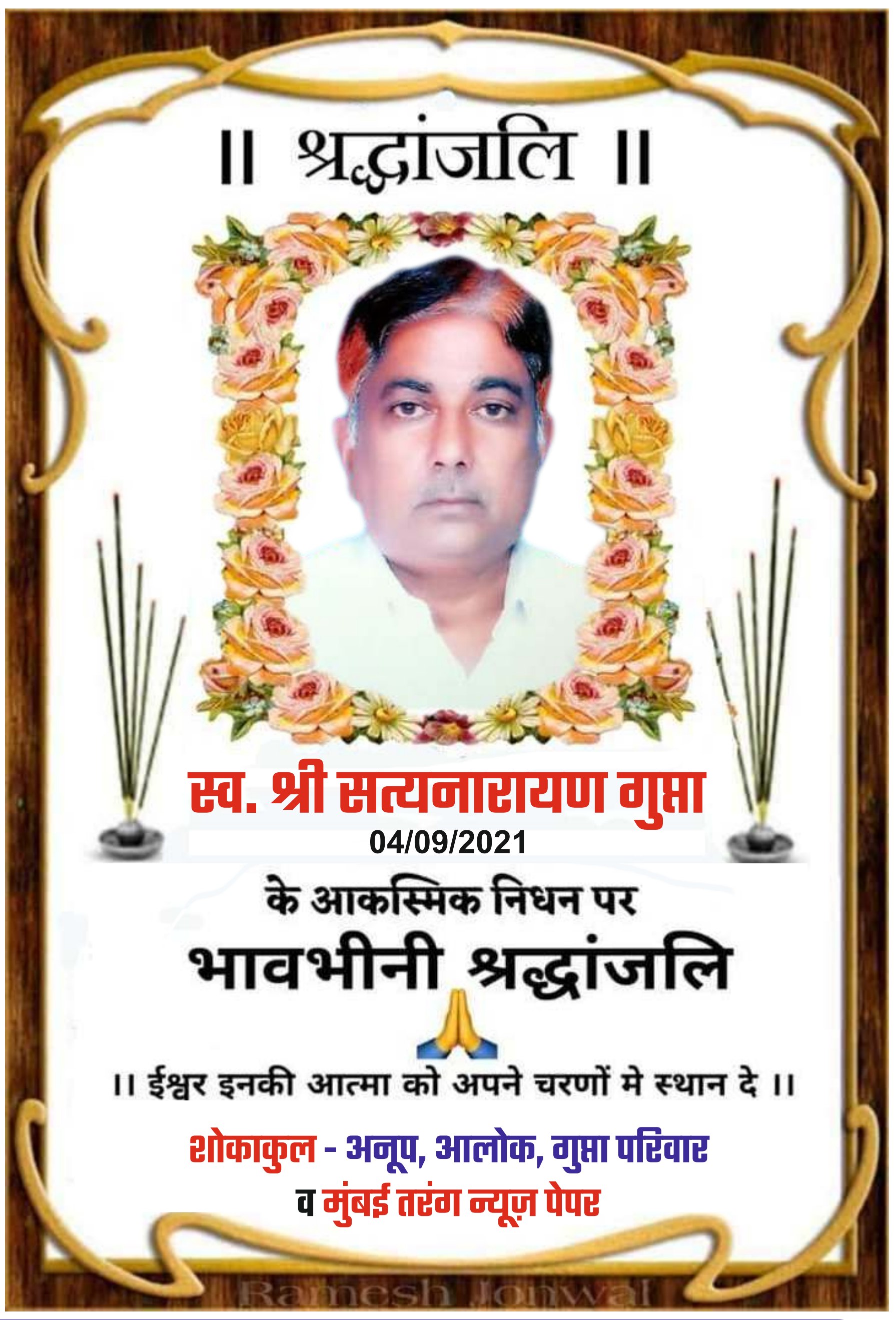

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।